दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 334 | ग्वालियर, गुरुवार 14 जनवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

ममता बनर्जी के भाई का बयान- बंगाल में खत्म होनी चाहिए वंशवाद की राजनीति

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भाई कार्तिक बनर्जी ने बड़ा बयान दिया है. कार्तिक बनर्जी का कहना है कि वो चाहते हैं पश्चिम बंगाल में वंशवाद की राजनीति का अंत होना चाहिए. ममता बनर्जी के भाई का ये बयान बंगाल की चुनावी जंग में एक नई बहस को हवा दे सकता है. वंशवाद को लेकर जब कार्तिक से पूछा गया कि क्या उनका निशाना ममता बनर्जी पर ही है, तो उन्होंने कहा, 'मैं सामान्य तौर पर राजनीति में दोहरेपन की बात कर रहा हूं. राजनीति सिर्फ लोगों के लिए होनी चाहिए, उनके जीवन को सुधारने के लिए. जो लोग राजनीति में हैं, उन्हें भूलना नहीं चाहिए कि संतों ने आखिर क्या सलाह दी थी. राजनेताओं को पहले लोगों के बारे में सोचना चाहिए, फिर परिवार के बारे में. कार्तिक से जब बीजेपी में शामिल होने की संभावनाओं या किसी तरह के राजनीतिक ऑफर के बारे में सवाल हुआ तो उन्होंने सिर्फ इतना ही कहा, 'भविष्य में क्या होगा, वो अभी नहीं जानते हैं. जब मुझे कुछ कहना होगा, वो बयान जारी करेंगे. तबतक वो इसपर कुछ साफ नहीं कहना चाहेंगे.'

बीजेपी की नजर मिशन बंगाल पर–साफ है कि ममता बनर्जी के भाई कार्तिक बनर्जी का ये बयान तब सामने आया है, जब अगले कुछ महीनों में ही राज्य में चुनाव होने हैं. भारतीय जनता पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में बंगाल में जबरदस्त सफलता हासिल की थी, अब उसकी निगाहें विधानसभा चुनाव में महाजीत पर है. बीजेपी की ओर से लगातार टीएमसी में सेंध लगाने की कोशिश की जा रही है, शुभेंदु अधिकारी और अन्य कई नेताओं का बीजेपी में शामिल होना इसी अभियान का हिस्सा है. अगर वंशवाद की बात करें तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हों या फिर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, हर किसी के निशाने ममता बनर्जी का वंशवाद ही रहता है. बीजेपी का आरोप है कि ममता बनर्जी अपने भतीतजे अभिषेक बनर्जी को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाने के लिए जमीन तैयार कर रही हैं. यही कारण है कि बंगाल में बीजेपी की ओर से 'दीदी' के नाम से मशहूर ममता बनर्जी को पीशी (आंटी) कहने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि अभिषेक बनर्जी से जुड़े मुद्दे को भुनाया जा सके.

न्यूज ट्रैक

गड़बड़ी मिली तो सिसोदिया ने श्रम कार्यालय के मैनेजर को किया सस्पेंड

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के श्रम कार्यालय के मैनेजर को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने का निर्देश दिया है. निर्माण श्रमिकों के रजिस्ट्रेशन में अनियमितता की शिकायतें मिलने के बाद मंगलवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने श्रम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया था. इस दौरान लगभग एक दर्जन मामलों में शिकायतें सही पाए जाने पर सिसोदिया ने मैनेजर को बर्खास्त करने के निर्देश दिए हैं. निरीक्षण के दौरान सिसोदिया ने श्रम अधिकारियों को रजिस्ट्रेशन के अलावा मजदूरों से जुड़े काम निश्चित समय अवधि के भीतर करने का निर्देश दिया है. मनीष सिसोदिया ने इस मामले को लेकर ट्वीट भी किया है. उन्होंने लिखा है, आज श्रम विभाग के उत्तर-पश्चिम ज़िला मुख्यालय में औचक निरीक्षण किया. निर्माण श्रमिकों के रजिस्ट्रेशन में गड़बड़ी करने वाले अफ़सर को तुरंत नौकरी से हटा दिया. उसे अपना बैग उठा कर घर भेज दिया.जनता के काम में धांधली करने या बाधा डालने वालों की सरकार में ज़रूरत नहीं। दिल्ली सरकार के मुताबिक पिछले दिनों उत्तर-पश्चिमी दिल्ली श्रम कार्यालय में निर्माण श्रमिकों के रजिस्ट्रेशन में विभिन्न अनियमितताओं की शिकायतें मिली थीं. जिसके बाद मंगलवार सुबह उपमुख्यमंत्री ने कार्यालय का औचक निरीक्षण करके शिकायतों की जांच की. इन शिकायतों में कुछ श्रमिकों के निबंधन दस्तावेजों में पुरुष के बजाय महिला की तस्वीरें लगाने जैसी लापरवाही शामिल है. कुछ मामलों में श्रमिक के पंजीयन के लिए कार्यालय में उपस्थित होकर लाइव फोटोग्राफ के बजाय पहले की खींची गई फोटो लगाने जैसी अनियमितता शामिल है.

दिल्ली में भी खुलेंगे स्कूल दसवीं और बारहवीं की क्लास 18 जनवरी से शुरू करने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दसवीं और बारहवीं के लिए स्कूल खोलने के आदेश दिए हैं. स्कूल 18 जनवरी से खुलेंगे. बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों को देखते हुए फैसला लिया गया है. पिछले दिनों ही दिल्ली के डिप्टी सीएम और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा था कि बोर्ड परीक्षा को देखते हुए हम स्कूल खोलने पर विचार कर रहे हैं. इस बाबत शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट करके कहा, दिल्ली में ष्ट्क्स्ष्ठ बोर्ड परीक्षाओं व प्रैक्टिकल के मद्देनज़र 10वीं और 12 वीं क्लास के लिए 18 जनवरी से प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट, काउंसिलिंग आदि के लिए स्कूल खोलने की अनुमति दो जा रही है. अभिभावकों की सहमति से ही बच्चों को बुलाया जा सकेगा. बच्चों को आने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा. आपको बता दें कि दिल्ली में कोरोना महामारी को देखते हुए 16 मार्च, 2020 को केजरीवाल सरकार ने सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया था. राजधानी के सभी स्कूल तभी से बंद हैं. हालांकि ऑनलाइन क्लास चल रही हैं. अब कोरोना की रफ्तार थमने और कोरोना वैक्सीनेशन की शुरुआत के साथ ही स्कूल खोलने का आदेश जारी कर दिया गया है.

पंजाब, गुजरात में खुल चुके हैं सभी स्कूल–पंजाब सरकार ने 7 जनवरी से राज्य के सभी स्कूल को दिया है. सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी और सभी प्राइवेट स्कूल खुल रहे हैं.

एमएलसी चुनाव के लिए दो सीटों पर सपा का दांव

अहमद हसन-राजेंद्र चौधरी को बनाया प्रत्याशी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 12 विधान परिषद सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है. समाजवादी पार्टी (सपा) की ओर से पूर्व मंत्री अहमद हसन और राजेंद्र चौधरी को प्रत्याशी बनाया गया है. सीटों के लिहाज से सपा के खाते में एक सीट आराम से आ जाएगी, लेकिन दूसरी सीट के लिए उसे मशक्कत करनी पड़ सकती है. उधर, बीएसपी ने भी दो विधान परिषद के फार्म खरीदे हैं. ऐसे में एक सीट के लिए सपा और बसपा में अच्छी खींचतान देखने को मिलेगी. बीजेपी 10 सीटें जीतने की स्थिति में है इसलिए उसने सिर्फ 10 फार्म ही खरीदे हैं यानी 12 में से 11 सीटों में कोई मुकाबला नहीं होगा जबकि एक सीट पर सपा और बसपा आमने-सामने हो सकती है.

क्या है अंकगणित–यूपी के विधानसभा में फिलहाल बीजेपी की सहयोगी पार्टी अपना दल को मिला कर 319 विधायक हैं. सपा के 48 सदस्य हैं. बसपा के 18 सदस्यों में से पांच ने बीते नवंबर में हुए राज्यसभा चुनाव के बाद पार्टी से बगावत कर दी थी. बसपा ने अपने बागी नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर रखी है जबकि रामवीर उपाध्याय को पार्टी ने सदस्यता से निलंबित कर रखा है. इस लिहाज से पार्टी सदस्यों की संख्या 10 के करीब मानी जा रही है. वहीं, कांग्रेस के सात विधायकों में से दो बागी रुख अपनाए हुए हैं, जिसके चलते पांच ही विधायक पार्टी के साथ हैं.

बाइक सवार को मारी टक्कर मौके पर शख्स की मौत

राजकोट। गुजरात के राजकोट में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है. हादसे में एक व्यक्ति की मौत भी हो गई है. यहां 80 फीट रिंग रोड पर एक कार और बाइक के बीच भीषण टक्कर हुई जिसमें बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई. दरअसल, कार चालक पूरी तरह से नशे की हालत में था. ड्राइवर इतने ज्यादा नशे में था कि उसे होश ही नहीं था कि उसकी कार की स्पीड काफी तेज है. एक्सीडेंट के बाद जब ड्राइवर पकड़ा गया तब भी वह होश में नहीं था. ार चालक खुद राजकोट में एक डॉक्टर है, जो अपने दोस्त की पार्टी में गया था और देर रात अपने घर लौट रहा था.

कर्नाटक: कैबिनेट विस्तार पर बवाल

बीजेपी विधायक बोले- ब्लैकमेलिंग और पैसों से मिल रहा मंत्रिपद

बेंगलुरु। कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में बवाल हो गया है. बीजेपी के कुछ विधायकों ने खुली बगावत कर दी है. पार्टी के विधायक बसनगौड़ा यतनाल ने मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा को राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए. जो भी ब्लैकमेल करता है या पैसा देता है, उसे मंत्री बना दिया जाता है. इसके लिए कोटा है. बसनगौड़ा यतनाल ने कहा कि एक सीडी कोटा है और एक सीडी प्लस पैसा कोटा है. बसनगौड़ा यतनाल का तीखा हमला यहीं नहीं रुका. उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री को सीडी के जरिए ब्लैकमेल किया गया है. वहीं, बीजेपी के एक और विधायक कालाकप्पा बंदी ने भी कैबिनेट विस्तार पर नाखुशी जताई है. उन्होंने कहा कि मैं पार्टी का वफादार सिपाही हूं. मैं मंत्रिमंडल विस्तार से खुश नहीं हूं. इस पर ध्यान देने की जरूरत है. बता दें कि मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा लंबे समय से मंत्रिमंडल का विस्तार करना चाह रहे थे. आज 7 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी. बीएस येदियुरप्पा ने पार्टी हाईकमान को मंत्रियों की लिस्ट सौंपी थी. हाईकमान ने कई दिनों तक माथापच्ची करने के बाद मंत्रियों के नाम पर मुहर लगाई.

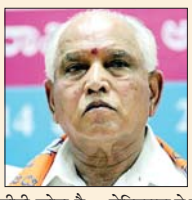

हत्या के दिन स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे के साथ पटना एयरपोर्ट पर देखे गए थे रूपेश सिंह

पटना । पटना में इंडिगो एयरलाइंस के स्टेशन मैनेजर रूपेश कुमार सिंह की हत्या का मामला तूल पकड़ते जा रहा है. इस बीच एक बड़ी जानकारी सामने आई है. हत्या के दिन दोपहर में रूपेश सिंह पटना एयरपोर्ट पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे और हेल्थ सेक्रेटरी प्रत्यय अमृत के साथ बातचीत करते और जायजा लेते देखे गए थे. पटना में रूपेश का रुतबा सिलेब्रिटी जैसा था. रूपेश ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कई नामचीन हस्तियों के साथ फोटो भी पोस्ट की है. वह राजनीति में भी आना चाहते थे. घटना के बाद उनके करीबी दोस्त राठौर कनिष्क भी रूपेश के घर पर पहुंचे और आजतक से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि एयरलाइंस में काम करने के साथ ही रूपेश सामाजिक कार्य में भी काफी रुचि दिखाया करते थे और राजनीति में भी उनके काफी दिलचस्पी थी. बता दें कि रूपेश कुमार सिंह की अज्ञात बदमाशों ने मंगलवार की शाम उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब वह एयरपोर्ट से वापस लौट रहे थे. जिस वक्त रूपेश कुमार सिंह की गाड़ी उनके घर के बाहर पहुंची तो उसी समय घात लगाए हुए अपराधियों ने उनकी गाड़ी पर ताबड़तोड़ फायरिंग की जिसमें रूपेश की मौके पर ही मौत हो गई.

क्या योगी सरकार में तीसरे उपमुख्यमंत्री की जगह बन रही है ?

लखनऊ। यूपी के रहने वाले और गुजरात कॉडर के 1988 बैच के आइएएस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भरोसेमंद अधिकारी अरविंद कुमार शर्मा के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ने प्रशासनिक व सियासी गलियारे में सभी को चौंका दिया है. अचानक अरविंद के सरकारी नौकरी को छोड़ने के पीछे एक सोची-समझी रणनीति बताई जा रही है. यूपी में विधान परिषद चुनाव की घोषणा होते ही अरविंद शर्मा द्वारा वीआरएस लेना अनायास नहीं है. पार्टी के अंदरखाने के लोग अरविंद को यूपी में विधान परिषद चुनाव में उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना जता रहे हैं. गुजरात से छपने वाले एक दैनिक अखबार ने अरविंद शर्मा को योगी सरकार में उपमुख्यमंत्री का दावेदार बनाए जाने संबंधी खबर प्रकाशित की है जिसके बाद से प्रदेश में भाजपा का अंदरूनी राजनीतिक तामपान बढ़ गया है. हालांकि भाजपा से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी किसी जातीय गणित के लिहाज से किसी दलित नेता को योगी सरकार में उपमुख्यमंत्री का पद देने की वकालत कर रहे हैं. मऊ जिले की मुहम्मदाबाद गोहना तहसील के रानीपुर विकास खंड अंतर्गत काझाखुर्द गांव के रहने वाले शिवमूर्ति राय व शांति देवी के बड़े बेटे अरविंद कुमार शर्मा का जन्म वर्ष 1962 में 11 अप्रैल को हुआ था. अरविंद शर्मा के पिता रोडवेज में ट्रैफिक इंस्पेक्टर और माता गृहणी थीं. तीन भाईयों में सबसे बड़े अरविंद बचपन से ही मेधावी थे. शुरुआती शि?क्षा गांव के ही प्राइमरी विद्यालय से लेने के बाद उन्होंने डीएवी इंटर कालेज से इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई पूरी की. इसके बाद उन्होंने स्नातक के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय का रूख किया. यहां से राजनीति शास्त्र में परास्नातक पाठ्यक्रम में टॉप किया. इसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि भी ली. इसके बाद वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीतिक शास्त्र विभाग में बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर नौकरी शुरू की. सिविल सेवा में जाने का सपना देखने वाले अरविंद ने अध्यापन के साथ अध्ययन पर भी खूब मेहनत की. तीसरे प्रयास में वर्ष 1988 में अरविंद का चयन गुजरात कॉडर में भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए हो गया. एसडीएम पद पर उनकी पहली तैनाती 1989 में हुई.

प्रियंका का योगी सरकार पर निशाना यूपी में मिशन शक्ति के नारे खोखले

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है. दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह क्षेत्र गोरखपुर में 12 से अधिक लड़कियों की मौत हुई है. इस रिपोर्ट को शेयर करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा. प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा, यूपी के मुख्यमंत्री जी के गृहक्षेत्र से आई खबर पढ़कर आपको अंदाजा लगेगा कि जिस सिस्टम ने अभी कुछ दिनों ही पहले महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चलाए गए मिशन शक्ति के नाम पर झूठे प्रचार में करोड़ों रुपए बहा दिए, वो सिस्टम जमीनी स्तर पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर इस कदर उपेक्षित रवैया अपनाए हुए है. प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा, इस खबर के अनुसार गोरखपुर में पिछले दिनों 12 से अधिक लड़कियों की मौत के मामले आए. इन अपराधों में सजा दिलाना तो दूर कुछ मामलों में पुलिस मृत लड़कियों की पहचान तक नहीं कर पाई. उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ हर दिन औसतन 165 अपराध होते हैं. आगे प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा, पिछले दिनों ऐसे सैकड़ों मामले सामने आए जिनमें या तो प्रशासन ने पीड़ित पक्ष की बात नहीं सुनी या फरियादी महिला से ही बदतमीजी कर दी. क्या आप सोच सकते हैं कि जो सरकार महिला सुरक्षा के नाम पर अपनी पीठ थपथपाने के लिए करोड़ों रुपए के विज्ञापन देती हो उस सरकार के थानों में जब महिला शिकायत लेकर पहुंचती है तो थाने में उस पर भद्दी टिप्पणियां की जाती हों और उसके प्रति संवेदना करने के बजाए उसका निरादर किया जाता है.

हाइवे पर पति का मर्डर

मास्टरमाइंड निकला पत्नी का अनजान आशिक

> पुलिस की मानें तो मरनेवाला संजय कुमार पटना के नुरानीबाग इलाके में रहता था. और पेशे से एक मेडिकल रिप्रेज़ंटेटिव था. पुलिस ने मौका-ए-वारदात का बारीकी से मुआयना किया. उसने देखा कि मौके पर ही संजय की बाइक और दूसरी चीज़ों के साथ-साथ एक मिठाई का डिब्बा भी पड़ा है. यानी फ़ौरी तौर पर ये लगता था कि संजय शायद हाजीपुर किसी से मिलने जा रहा था.

हाजीपुर। रात गहराती जा रही थी और हर गुज़रते लम्हे के साथ सड़क पर वाहनों की तादाद कम होती जा रही थी. तभी एक शख्स अपनी बाइक पर पटना से हाजीपुर की तरफ चलता चला जा रहा था. इसी बीच जैसे ही वो इंडस्ट्रियल थाने के पानहाट इलाके में पहुंचा, उसके साथ एक भयानक वारदात हो गई. पीछे से बाइक पर ही दो हमलावर आए और उस शख्स को बेहद करीब से गोली मारी. एक गोली उसके सीने समेत जिस्म के दूसरे हिस्सों में पांच गोलियां लगीं और और देखते ही देखते उसकी मौके पर ही मौत हो गई. गोलियों की आवाज़ और बाइक से एक शख्स को नीचे गिरता देख हाइवे पर अफरातफरी के हालात पैदा हो गए. थोड़ी ही देर में उस शख्स को गोलियों का निशाना बनानेवाले क़ातिल भी अंधेरे का फायदा उठा कर मौके से फ़रार हो गए. आनन-फ़ानन में खबर हाजीपुर पुलिस तक पहुंची. पुलिस ने मौके पर आकर गोलियों से छलनी शख्स को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों का उसकी जांच करना भी मानों सिर्फ़ एक औपचारिकता भर रह गई थी. डॉक्टरों ने उसे मुर्दा करार दिया. उधर, मौके पर पहुंची पुलिस ने जब क़ातिलों का शिकार बने शख्स की जामा तलाशी ली, तो उसकी ड्राइविंग लाइसेंस और आई कार्ड जैसी कई चीज़ों के साथ उसका मोबाइल फ़ोन और पर्स भी पुलिस के हाथ लग गए. जिससे अव्वल तो उसकी पहचान साफ हो गई और दूसरा ये भी साफ हो गया कि उसका क़त्ल कम से कम लूट के लिए तो नहीं किया गया. पुलिस की मानें तो मरनेवाला संजय कुमार पटना के नुरानीबाग इलाके में रहता था. और पेशे से एक मेडिकल रिप्रेज़ंटेटिव था. पुलिस ने मौका-ए-वारदात का बारीकी से मुआयना किया. उसने देखा कि मौके पर ही संजय की बाइक और दूसरी चीज़ों के साथ-साथ एक मिठाई का डिब्बा भी पड़ा है. यानी फ़ौरी तौर पर ये लगता था कि संजय शायद हाजीपुर किसी से मिलने जा रहा था. इसी बीच क़ातिलों ने घात लगा कर उसकी जान ले ली. लेकिन वो शख्स कौन था, संजय जिससे मिलने पटना से हाजीपुर जा रहा था.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोन: 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर....

दो बाइको की आपस में भिड़त, तीन घायल

दबोह(अर्पित गुप्ता)

दबोह नगर में दुग्ध डेयरी के पास बुधवार को भीषड़ एक्सीडेंट हुआ जिसमें दो बाइक सवार आपस मे टकराने से गम्भीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानाकारी के अनुसार दबोह दुग्ध डेयरी के पास ग्राम कसल से दबोह की ओर मोटरसाइकिल से आ रहे अमित कौरव पुत्र गंगाराम कौरव निवासी कसल व रामकुमार गुबरेले निवासी कसल थाना दबोह सामने से आ रही मोटरसाइकिल से आपस मे टकरा गए जिससे अमित कौरव,रामकुमार गुबरेले व दूसरा बाइके चालक दीपक पाल निवासी रौनी थाना दबोह गम्भीर रूप से घायल हो गए।जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने डायल 100 को कॉल कर जानकारी दी उसके बाद डायल 100 चालक देवप्रकाश,आरक्षक अभिषेक यादव ने मौके पर पहुंचकर घायलो को दबोह उप स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए पहुंचाया।जानकारी के अनुसार बाइक चालक अमित कौरव निवासी कसल के पैर में गम्भीर चोट आई है जिसके चलते उन्हें दबोह प्राथमिक उपस्वास्थ्य केंद्र से उपचार कर ग्वालियर रैफर कर दिया गया तो वहीं रामकुमार गुबरेले व दीपक पाल को दबोह प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र में उपचार किया गया।

सुरायता विकास कि ओर अग्रसरः सीरवी

नारायणलाल सैणचा

जिला परिषद पाली में आज जिला प्रमुख कि बैठक में शामिल हुए सुरायता सरपंच प्रतिनिधि अमर सीरवी व पंचायत समिति सदस्य प्रतीनिधि हरिश कुमार सीरवी ने सुरायता ग्राम कि लगभग सभी समस्या ज़िला प्रमुख के सामने रखी। उन्होंने नरेगा के तहत कई कार्य को स्वीकृति हेतु एप्लिकेशन व एस्टीमेट दिए। इस दौरान सुरायता से जाडन रोड का मुद्दा भी चर्चा का विषय रहा। अमर सीरवी ने सुरायता पंचायत क्षेत्र में आनी वाले सभी गावो को डामरीकरण से जोड़ने के लिए गुहार लगाई। तथा गाव मे नालियों का नहि बनना सड़क बनते समय यह भी मुद्दा उठाया। हरीश कुमार सीरवी ने भी पंचायत समिति क्षेत्र के कई प्रमुख मुद्दो पर बात की। क्षेत्र में विकास के लिए अमर सीरवी व हरिश कुमार सीरवी समर्पित है।

शुभेन्दु अधिकारी ने श्याम मंदिर मेंमाथा टेका, मांगा आशीर्वाद

दुर्गापुर 13 जनवरी ~ शहर के सागरभाँगा इलाके मे स्थित दुर्गापुर श्याम मंदिर की ओर से भाजपा मे शामिल हुए जुझारू नेता शुभेन्दु अधिकारी को सम्मानित किया गया.बुधवार की देर शाम भाजपा की महरैली के बाद श्री शुभेंदु अधिकारी श्याम बाबा का आशीर्वाद लेने दुर्गापुर श्याम मंदिर पहुंचे.इस दौरान उनके साथ चंद्र शेखर बनर्जी मौजूद थे.मंदिर पहुँचने पर मंदिर कमेटी की ओर से उनका जोरदार स्वागत किया. स्वागत दुर्गापुर सेवा समिति के चेयरमैन शंकर लाल जी मावंडिया ने किया.इस दौरान संस्था के महासचिव राकेश भट्टड़ सह सचिव अरुण सराया,रतन अग्रवाल,दीपक गर्ग, बनवारी खैतान, संतोष कानोड़िया, आदेश गर्ग,दिनेश बजाज,अंकित गुप्ता,सुजीत मोहता,राहुल भोजनागर आदि बड़ी संख्या में मंदिर के सदस्यगण मौजूद थे. श्री अधिकारी ने मंदिर मे माथा टेका और जय श्री श्याम के नारे लगाए.इस दिन मंदिर की ओर से उन्हे राधा कृष्ण की प्रतिमा भेट की गई.इस मौके पर श्री अधिकारी ने श्याम बाबा पर अपनी गहरी आस्था होने की बात कहते हुए कहा की जब भी होता वे समय निकाल कर इस श्याम मंदिर मे आना नहीं भूलते है।इससे पहले भी वे बांकुड़ा, मेदनीपुर मंदिर मे जाकर श्याम बाबा के दर्शन कर चुके है। श्याम बाबा की कृपा हमेशा बने रहने का आशीर्वाद उन्होने मांगा.

स्वामी विवेकानंद जी जयन्ती युवा सप्ताह के तहत 158 तस्वीर वितरित

नारायणलाल सैणचा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई सांचोर ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर शहर के विद्यालयों एवं महाविद्यालयो में एवं बैठक में 158 तस्वीर वितरित की है,नगर मंत्री ईश्वर देवासी ने बताया कि हर स्कूल एवं कॉलेज में शहर के लोगो को स्वामी जी की 158 वी जयन्ती पर 158 तस्वीर वितरित की।इस अवसर पर जिला सह संयोजक छगनलाल माली,सोशल मीडिया प्रमुख अनिल वैष्णव ,अशोक देवासी,महेन्द्र आँजणा ,गोपाल जोशी, दिनेश कुमार सहित कार्यकर्ता मोजोद रहे।

अंर्तराज्यीय क्रिकेट महाकुंभ के पहले सेमीफाइनल में कानपुर ने महाराष्ट्र को पछाड़ा

कानपुर से मोहम्मद शरीम रहे मैच ऑफ द मैच, अनिरुद्ध प्रताप सिंह एवं राहुल भदौरिया रहे मौजूद

दबोह(अर्पित गुप्ता)

पूर्व मंत्री लहार विधायक डॉ.गोविन्द सिंह के पिता स्वर्गीय मथुरा सिंह फाउंडेसन समिति दबोह के तत्वाधान में खेले जा रहे 15वे अंतराज्यीय क्रिकेट टूनामेंट महाकुंभ 11 जनबरी से 17 जनबरी तक दबोह के शासकीय इंटर कॉलेज के मैदान पर खेला जा रहा है।कार्यक्रम में शुभारंभ के तीसरे दिन मुख्यातिथि के रूप में युवक कॉंग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव अनिरुद्ध प्रताप सिंह मौजूद रहे।विशिष्ट अतिथि के रूप में बिरला ओपन माइंड ग्वालियर के डायरेक्टर गौरव भदौरिया एवं विनोद भदौरिया मौजूद रहे तो वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य राहुल भदौरिया के द्वारा की गई।कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों के द्वारा सर्व प्रथम पूर्व मंत्री,लहार विधायक के पिता स्व.मथुरा सिंह के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किये तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष रमाशंकर चौधरी एबं सचिव चौधरी हाकिम सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय कराया तदोपरांत युवक कॉंग्रेस पूर्व राष्ट्रीय सचिव अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने कहा कि लगातार 15 बर्षो से यह आयोजन मथुरा सिंह फाउंडेशन द्वारा कराया जा रहा है और मै आशा करता हूँ कि यह आयोजन आंगे भी इसी तरह से निरंतर चलता रहेगा जब मैने यहाँ आकर दर्शको की भीड़ देखी और उस भीड़-भाड़ में इतना उत्साह देखा तो मुझे ऐसा लगता है कि यह आयोजन हमेशा चलता रहना चाहिये साथ ही उन्होंने कहा कि लहार विधायक डॉ.गोविंद सिंह ने लहार में

स्टेडियम बनवा दिया है वही उसमे खेल विभाग से बात कर कुछ कोंच भी अधिकृत करवाये है जो सुबह-शाम युवाओं को क्रिकेट के खेल का प्रशिक्षण दे रहे है जिससे भविष्य में हमारे लहार विधानसभा क्षेत्र की टीम भी इस टूर्नामेंट में भाग लेकर खेलती नजर आ सकती है।वही कार्यक्रम की अध्यक्षता कर विधायक डॉ. गोविंद सिंह को भी धन्यवाद देता कि उन्होंने लहार विधानसभा क्षेत्र में कीर्तिमान कायम किया है उन्होंने लहार विधानसभा क्षेत्र में दो स्टेडियम बनवा दिये है और तीसरा उन्होंने दबोह के लिए भी मंजूरी करवा रखी हो सकता एक या दो साल के अंतराल में दबोह में भी स्टेडियम बन जायेगा पूरे रहे जिलापंचायत सदस्य राहुल भदौरिया ने कहा कि क्रिकेट इतना विख्यात खेल है जिसके बारे किसी को बताने की जरूरत नही है आज के समय में लगभग सभी लोग क्रिकेट के विषय मे जानते होंगे वही उन्होंने स्वर्गीय मथुरा सिंह फाउंडेशन को धन्यवाद देते हुये कहा कि मै मथुरा सिंह फाउंडेशन समिति को धन्यवाद देता हूँ कि आज मुझे यहाँ आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और इतने बर्षो से लगातार यहाँ यह आयोजन किया जा रहा है मैने अधिकतर देखा है कि एक या दो बार आयोजन होता है फिर बंद हो जाता है साथ ही उन्होंने कहा कि मै लहार भिंड जिले में भिंड और लहार विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर कही भी स्टेडियम नही है वही इस टूर्नामेंट को निरंतर चलाने के लिए मेरी जो भी जरूरत पड़ेगी उसे पूरी करने के लिये मेरी ओर से हमेशा पूरा प्रयास किया जायेगा।वहीं क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन में पूल ए का पहला सेमीफाइनल मैच महाराष्ट्र व कानपुर के बीच खेला गया।जिसमे महाराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।महाराष्ट्र ने बैटिंग करते हुये निर्धारित 21 ऑवरो में अपने 10 विकेट खोकर 146 रन बनाये।जिसमे महाराष्ट्र की ओर से बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सचिन सिन्धे ने 46 गेंदों में 51 रन बनाए।जवाब में मैदान उतरी कानपुर ने 23.2 ऑवर में 147 रन बनाकर 1 विकेट से मैच जीत लिया।जिसमे कानपुर के मोहम्मद शरिम मैन ऑफ द मैच रहे।अंत मे मैन ऑफ द मैच का पुरूस्कार मथुरा सिंह फाउंडेशन के उपाध्यक्ष रामकुमार गुर्जर व राजेंद्र खेमरिया के द्वारा प्रदान किया गया।मैच का आँखों देखा हाल रजनीश पालीवाल सर,रामनारायण सर,श्यामू राजोरिया,रामू श्रीवास्तव एवं जीएस कौरव द्वारा सुनाया गया इस मौके पर लाखो दर्शको ने मैच का आनंद लिया कार्यक्रम में आयोजन समिति के सचिव चौधरी हाकिम सिंह संरक्षक नाजिम खान,सहसचिव दबोह नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष रूपनारायण खटीक,पूर्व पार्षद सनाउल्ला खान,स्कोरर ईमरान सर,नीरज यादव,पबन कुशबाह ,दिलीप सोनी,हिमांशु मुदगल मौजूद रहे।इस अवसर पर मुजीव खान,दिलीप नायक,पंकज शर्मा,विनय बिलैया,सुनील पाल,राकेश रजक,मुबीन खान आदि लोग मौजूद रहे।

सिलिस्ती करुरिया मिरेकल स्टोरीज लिट फेस्ट 2020 में हुई विजेता घोषित

जयपुर(अर्पित गुप्ता)

मिरेकल स्टोरीज लिट फेस्ट में देश विदेश के लेखको ने भाग लिया।देश के प्रसिद्ध जूरी मेंबर अजिताभ बोस(फिल्ममेकर, बेस्टसेलिंग लेखक),प्रियंका तिवारी(बॉलीवुड एक्ट्रेस,मॉडल), कृष्णा वर्मा(बॉलीवुड अभिनेता और लेखक),बिस्वजीत मिश्रा(ऑथर, सीईओ -कोणार्क लिट फेस्ट)और मिरेकल स्टोरीज के फाउंडर ने मिलकर मिरेकल स्टोरीज लिट फेस्ट 2020 में सिलिस्ती करुरिया को विजेता घोषित किया। मिरेकल स्टोरीज नए ऑथर को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने मिरेकल स्टोरीज लिट फेस्ट इवेंट किया।सिलिस्ती करुरिया को मिरेकल स्टोरीज टीम की तरफ से 50 हजार कैश, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट दिया गया। मिरेकल स्टोरीज लिट फेस्ट अवार्ड सिलिस्ती करुरिया की चमड़े के लुटेरा नॉवेल को दिया गया जो समाज के जमीनी स्तर के मुद्दों को दिखाया गया। सिलिस्ती करूरिया जो चमड़े का लुटेरा नॉवेल की लेखिका है, सिलिस्ती बनस्थली विद्यापीठ राजस्थान में बायोसाइंस में पीएचडी कर रही है।सिलिस्ती करुरिया राजस्थान के अजमेर, सावर शहर की रहने वाली है। सिलिस्ती करुरिया को चमड़े का लुटेरा उपन्यास को लेकर बहुत सारे अवार्ड से सम्मानित किया गया।चमड़े का लुटेरा उपन्यास को टॉप 100 डेब्यू नॉवेल के रूप में पूरे देश में प्रशंसा मिली। 2019 में कोणार्क लिटरेचर फेस्ट ओडिशा और मुंबई फेस्ट 2020 में बेस्ट फिक्शन अवार्ड के लिए रोमांटिक रचना को नामांकित करते हुए अवार्ड से सम्मानित किया गया। सिलिस्ती अपनी पुस्तक चमड़े का लुटेरा के जरिये देश में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया है। सिलिस्ती ने समाज के जमीनी मुद्दों को बहुत बारीकी से समझ कर लोगो को जागरूक करने के लिए चमड़े का लुटेरा पुस्तक लिखी है। सिलिस्ती अपनी जिंदगी में हार मानकर बैठना नहीं चाहती थी अपने लेखन से समाज में बदलाव और अपने सपने पूरा करना चाहती थी।सिलिस्ती ने अपने सपनो को पाने के लिए हिम्मत नहीं हारी और अपने हौसलों पर यात्रा सपनो की, उड़ान रंगो की,महफ़िल कहानियों की तमाशा कलम का शोर सपनो का हौसला सीरत का और तजुर्बा एक सुंदर यात्रा का लिखकर देश विदेश में अपना नाम दर्ज किया।

रात्रि चौपाल का आयोजन रखा गया

रानी पाली नेनाराम सिरवी। मारवाड़ जंक्शन पंचायत समिति के ग्राम पंचायत।कराडी राजीव गांधी सेवा केंद्र पर रात्रि चौपाल का आयोजन रखा गया।ग्राम पंचायत सरपंच भंवरलाल द्वारा बताया गया कि मारवाड़ जंक्शन उपखंड अधिकारी एवं पंचायत समिति के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में रात्रि चौपाल का आयोजन राजीव गांधी सेवा केंद्र पर रखा गया। शाम 4~00 बजे उपखंड अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी राजीव गांधी सेवा केंद्र पर पहुंचेंगे। जिसमें ग्रामीणों की हर समस्या का निस्तारण करने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत सरपंच ग्राम विकास अधिकारी कनिष्ठ रोजगार सहायक रोजगार सहायक पंचायत सहायक एवं संबंधित ग्राम पंचायत की विभागीय कर्मी उपस्थित रहेंगे।

गोहद चौराहा पुलिस का अवैध शराब की फैक्ट्री पर छापा, आरोपी अपने घर के पीछे बना रहा था शराब

गोहद। गोहद चौराहा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बूटीकुइया पर अवैध शराब की फैक्ट्री चल रही है मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने शराब फैक्टरी पर शाम 4~30 बजे छापा मारा जिसमें मौके से 110 लीटर कच्ची हाथ भट्टी की शराब व 200 लीटर लाहन बरामद हुआ। बरामद हुए लाहन को नष्ट किया गया। आरोपी राजेन्द्र सिंह उर्फ विक्कर अपने मकान के पीछे कच्ची शराब बनाते हुए पाया गया जिसको गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। कच्ची शराब की कीमत लगभग 65000 रुपए है। गोहद चौराहा पुलिस ने बूटी कुइयां के पास की कार्यवाही। शराब की फैक्ट्री पकड़ने में इन की सराहनीय भूमिका रही थाना प्रभारी गोपाल सिकरवार, एएसआई रामनिवास गुर्जर, प्रधान आरक्षक राहुल तोमर, आरक्षक अमरदीप, आरक्षक राम कुमार तोमर आदि।

किसानों की हर समस्या का समाधान करने के लिए किसान सेवा केंद्र के माध्यम से समय-समय पर जानकारी दी जा रही

रानी पाली नेनाराम सिरवी। पाली पंचायत समिति की ग्राम पंचायत सोडावास के किसान सेवा केंद्र कृषि पर्यवेक्षक गोविंद सिंह कुंपावत द्वारा बताया गया कि किसानों की हर समस्या का समाधान करने के लिए किसान सेवा केंद्र के माध्यम से समय-समय पर किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही। किसान सेवा केंद्र पर किसानों को रबी की फसल की खराबी को लेकर किसान सेवा केंद्र के माध्यम से प्रतिदिन जानकारी दी जा रही। जिस में घने कोहरे की वजह जीरा चना सरसों की फसलों पर दवाई छिड़काव करने को लेकर किसानों को जानकारी दी जा रही।

एक नजर...

शादी से पहले मंगेतर ने दी जहर खाने की फोन पर धमकी, दुखी होकर युवक ने लगाई फांसी

इंदौर। कभी-कभी मज़ाक करना या चिढाने के लिए दी गई झूठी धमकी इंसान को भारी पड़ जाती है। कुछ ऐसा ही मामला शहर के फरीद नगर से सामने आया है। जहां फोन पर झगड़ा होने के बाद मंगेतर की झूठी धमकी से दुखी होकर युवक ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि युवक-युवती की कुछ महीनों बाद शादी होने वाली थी और फोन पर दी गई धमकी केवल मजाक थी। पुलिस ने घटना के बारे में कहा कि प्रारंभिक पड़ताल में यह बात सामने आ रही है कि गुल्लू की घर के सामने रहने वाली एक युवती से दोस्ती और फिर प्यार हो गया था। वहीं इसी साल मार्च की 15 तारीख़ को दोनों की शादी होने वाली थी। इस बीच दोनों के बीच मोबाइल पर घंटों बातें होती थी। बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। बात इतनी बढ़ी कि युवती ने गुल्लू को फोन लगाकर कहा कि वह जहर खा लेगी। इस बात से गुल्लू इतना आहत हो गया कि उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, युवती ने जहर नहीं खाया था। इसके बाद गुल्लू को फांसी के फंदे से उतारकर एमवाय अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हॉस्टल में नीचे से किसी ने लगाई आवाज फिर एमएमबीएस के स्टूडेंट की हो गई मौत

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के एक हॉस्टल में सोमवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें शिवपुरी से इंदौर पढ़ाई करने आए एक छात्र की देर रात ऊंचाई से गिरने से मौत हो गई। खुड़ैल टीआई महेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि, छात्र का नाम आयुष्मान पिता अमित गुप्ता है। वह यहां के इंडेक्स कॉलेज से स्नातक के दूसरे सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहा था। सोमवार देर रात छात्र हॉस्टल की तीसरी मंजिल पर खड़ा था। उसी समय हॉस्टल के नीचे से उसे किसी ने आवाज़ लगाई, उसने रेलिंग पर लटक कर झांकने की कोशिश की, तभी अचानक से उसका पैर फिसल गया और वह नीचे आ गिरा। वहीं, यह घटना हॉस्टल में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसमें दिखा रहा है कि छात्र का पैर फिसलने से मौत हुई है। वहीं, पुलिस अन्य बिंदुओं पर जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, आयुष्मान की मां शिवपुरी में ही डॉक्टर है। छात्र के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दी गई है। गौरतलब है कि, 3 माह पहले इंडेक्स कॉलेज में ही एक छात्र की मौत हो गई थी। वह अपने हॉस्टल के छत की गैलरी से गर्ल्स हॉस्टल की गैलरी में जाने की कोशिश कर रहा था। उसने दूसरी छत पर जाने के लिए लकड़ी का एक फट्टा लगाया था। तभी लकड़ी का फट्टा खिसक गया और उसकी मौत हो गई थी।

मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस के 471 नए मामले, 8 और लोगों की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 471 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही प्रदेश में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाये गये लोगों की कुल संख्या 249553 तक पहुंच गई। राज्य में पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से आठ और व्यक्तियों की मौत की पुष्टि हुई है जिससे मरने वालों की संख्या 3726 हो गई है। मध्य प्रदेश के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण से अलीराजपुर में दो तथा भोपाल, ग्वालियर, विदिशा, दमोह, रायसेन एवं उमरिया में एक-एक मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया, राज्य में अब तक कोरोना वायरस से सबसे अधिक 910 मौत इंदौर में हुई हैं, जबकि भोपाल में 592, उज्जैन में 104, सागर में 149, जबलपुर में 245 एवं ग्वालियर में 213 लोगों की मौत हुई हैं। बाकी मौतें अन्य जिलों में हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में मंगलवार को कोविड-19 के 76 नए मामले इंदौर में आए, जबकि भोपाल में 97 नए मामले आए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 249553 संक्रमितों में से अब तक 238,328 मरीज स्वस्थ होकर घर चले गये हैं और 7499 मरीज़ों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को 615 रोगियों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

लड़कियों की शादी की उम्र 18 से बढ़कर 21 साल हो: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। मध्य-प्रदेश की राजधानी भोपाल में महिलाओं के अधिकारों को लेकर रखे गए जागरुकता अभियान के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि, देश में लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल होनी चाहिए। इसे मुद्दा बनाकर बहस करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने सोमवार को महिला अपराध के उन्मूलन में समाज की भागीदारी के लिए जागरुकता अभियान के कार्यक्रम में कहा, जब लड़के के लिए शादी की उम्र 21 साल है, तो फिर लड़की के परिपक्वता की उम्र भी 21 साल होनी चाहिए। इस दौरान, जब मध्य प्रदेश में महिला अपराधों के आंकड़ों का प्रजेंटेशन किया गया। उसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा, पोर्न फिल्मों से बच्चों में बढ़ रही अपराध की मानसिकता बढ़ रही है। इस मुद्दे पर भी हमें गंभीरता से विचार करना होगा। इस कार्यक्रम के बाद जब मीडिया ने उनसे सवाल किया, तो उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कई पोर्न वेबसाइट पर प्रतिबंध लगाने जैसे कई कठोर कदम उठाए हैं। ऐसी फिल्में मानसिकता खराब रखने का काम कर रही हैं। समाज में जन्मा युवा इस सभी कारणों से दिगभ्रमित हो रहा है। इस दिशा में हर संभव कदम सरकार उठाएगी। वही, प्रदेश में सीधी गैंगरेप की घटना को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा, सभी आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। वहीं, सरकार की पुरजोर कोशिश रहेगी कि उन्हें कठोर सजा मिले। आपको बता दें की, पहले भी देश में शादी की उम्र निर्धारित करने के लिए कानून में 3 संशोधन हो चुके हैं। पहले साल 1929 में के. शारदा कानून के तहत शादी की न्यूनतम उम्र लड़कों के लिए 18 और लड़कियों के लिए 14 साल तय की गई थी। इसके बाद साल 1978 में हुए संशोधन के बाद लड़कों के लिए ये सीमा 21 साल और लड़कियों के लिए 18 साल हो गई। वहीं, बाल विवाह रोकथाम कानून 2006 के तहत इससे कम उम्र में शादी गैर-कानूनी है, जिसके लिए 2 साल की सजा और 1 लाख रुपए का जुर्माना हो सकता है।

मुरैना में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 20 हुई, 17 की हालत गंभीर

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में मुरैना जिले के दो गांवों मानपुर और पहावाली में सोमवार रात को कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हुई थी। मामले में मंगलवार रात से 6 और लोगों की जान ले ली है और मरने वालों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। मरने वाले इन सभी पीड़ित अस्पताल में ही भर्ती थे। पुलिस ने कहा कि मुरैना और ग्वालियर जिलों में 17 पीड़ितों को अभी भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत गंभीर है। मामले में पुलिस के एक उप-विभागीय अधिकारी सुजीत सिंह भदोरिया को बुधवार को निलंबित कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार इससे पहले एक थाना प्रभारी और जिला आबकारी अधिकारी को अधिकारियों द्वारा निलंबन के तहत रखा गया था। पुलिस ने बताया कि आईपीसी की धारा 304 और आबकारी अधिनियम की संबद्ध धाराओं में मामला दर्ज किया गया है तथा जांच और पूछताछ के लिए कुछ व्यक्तियों को हिरासत में भी लिया गया है। मध्य

प्रदेश में बीते तीन माह में इस तरह की यह दूसरी घटना है। इससे पहले अक्टूबर माह में उज्जैन में जहरीली शराब पीने से 14 लोग मारे गए थे। घटना को गंभीरता से लेते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मुरैना में जहरीली शराब दुर्घटना अत्यंत दुःखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। दुर्घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। कमिश्नर ग्वालियर-चंबल ने जांच दल बनाया है, जिसने जांच प्रारंभ कर दी है। जो भी व्यक्ति दोषी होंगे, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा, घटना में प्रथमदृष्टया सुपरविजन में लापरवाही पाए जाने पर, जिला आबकारी अधिकारी मुरैना को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है। इस बीच, अवैध शराब के सेवन से 14 लोगों की मौत होने और 20 अन्य के बीमार होने पर एक पुलिस अधिकारी को भी निलंबित किया गया है। मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा, मुरैना में जहरीली शराब पीने से हुई मौत की घटना बेहद दुखद और पीड़ादायक है। इस मामले में संबंधित थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। घटना के लिए जिम्मेदार कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा।

फिल्मी स्टाइल में 16 लाख की लूट, सीढ़ी चढ़ रहे ड्राइवर से छीना बैग, पीछा करने पर की फायरिंग

प्रतापगढ़। यूपी के प्रतापगढ़ में बेखौफ बदमाशों ने बुधवार सुबह फिल्मी स्टाइल में लूट की घटना को अंजाम दिया। कंधई थाना क्षेत्र के मंगरौरा बाजार में सुबह करीब 9 बजे बाइक सवार बदमाश कारोबारी के ड्राइवर से 15.90 लाख रुपये भरा बैग उस समय लूट लिया जब वह सीढ़ी चढ़ रहा था। पीछा करने पर बदमाशों ने कारोबारी पर फायर भी किया। जानकारी मिलने पर भारी पुलिस के साथ है एसपी भी मौके पर पहुंचे।

कंधई इलाके के मंगरौरा बाजार निवासी अमरजीत चौरसिया राइस मिल संचालित करने के साथ ही गल्ले और शराब का भी कारोबार करते हैं। वह बुधवार सुबह करीब 9 बजे जिला मुख्यालय के अपने आवास से मंगरौरा बाजार स्थित कार्यालय पहुंचे। अमरजीत फॉर्च्यूनर गाड़ी से उतरकर लघुशंका के लिए चले गए। उनका ड्राइवर सूबेदार पटेल रुपए से भरा बैग सड़क किनारे पहली मंजिल पर बने ऑफिस में ले जाने लगा। जैसे वह 3 सीढ़ी चढ़ा, लाल व काली पल्सर से आए तो नकाबपोश बदमाशों ने तमंचा सटाकर रुपए से भरा बैग लूट लिया। बदमाश पट्टी की ओर भागे, तभी

घटना देख रहे अमरजीत ने फॉर्च्यूनर गाड़ी से उनका पीछा कर लिया। करीब 300 मीटर आगे जाकर फॉर्च्यूनर गाड़ी ने बदमाशों को ओवरटेक किया।अमरजीत अपनी गाड़ी से उतरे ही थे कि बदमाशों ने उन पर फायर झोंक दिया। हालांकि गोली उन्हें नहीं लगी लेकिन वह जमीन पर गिर पड़े। बदमाश ड्राइवर को धमकाने के लिए एक हवाई फायर कर पट्टी की ओर भाग निकले। सूचना मिलने पर कंधई, पट्टी, कोहंडौर पुलिस के साथ ही एएसपी पूर्वी सुरेंद्र द्विवेदी और एसपी शिवहरि मीना भी पहुंच गए। एसपी ने व्यापारी और उसके ड्राइवर से 15 मिनट तक बंद कमरे में पूछताछ की। एएसपी ने बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरे से बदमाशों का फुटेज लिया। एसपी शिवहरि मीणा ने बताया कि सीसीटीवी से बदमाशों को चिन्हित किया जा रहा है। संदिग्ध बदमाशों की तलाश में दबिश के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

महंत परमहंस दास ने टीएमसी सांसद के सिर पर रखा 5 करोड़ का इनाम

अयोध्या। भगवान राम और सीता मइया पर अपमानजनक टिप्पणी करने का वीडियो वायरल होने पर रामनगरी अयोध्या में आक्रोश का महौल है। तपस्वी छावनी के महंत परमहंस दास ने टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का सिर कलम करने के लिए पांच करोड़ की राशि देने की घोषणा की है। परमहंस दास ने कहा, मां सीता एवं श्रीराम के बारे में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने जो कुछ भी कहा है, वह असह्य है। हम श्रीराम को परात्पर ब्रह्म मानते हैं और उनका रंचमात्र भी अपमान नहीं सहन कर सकते टीएमसी सांसद ने तो मर्यादा का घोर उल्लंघन किया है। बता दें कि पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान कल्याण बनर्जी ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर चुटकी लेते हुए एक बयान का वीडियो बहुत वायरल हुआ। इस वायरल वीडियो में कल्याण बनर्जी ये कहते हुए पाए गए कि सीता ने भगवान राम से कहा कि अच्छा हुआ मेरा हरण रावण द्वारा किया गया था न कि उसके चेलों द्वारा, नहीं तो मेरा हश्र भी हाथरस जैसा होता। विहिप के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने कहा, टीएमसी सांसद ने मां काली के भक्तों का भी अपमान किया है, जो पश्चिम बंगाल की अधिष्ठात्री हैं। शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी राष्ट्र विरोधी शक्तियों और विदेशी घुसपैठियों का संरक्षण कर रही हैं तथा बंगाल को भारत से अलग-थलग करने की साजिश रच रही है।

मंदिर पर शराब पीने से मना करने पर पीटकर हत्या, भाजपा विधायक और पालिक अध्यक्ष भी उतरे सड़क पर

मिर्जापुर। मिर्जापुर में शहर कोतवाली क्षेत्र के नार घाट मंदिर पर शराब पीने से मना करने पर कुछ लोगों ने एक युवक की पिटाई कर दी थी। बुधवार को ट्रामा सेंटर में युवक की मौत हो गई। मौत से आक्रोशित आक्रोशित परिजन और स्थानीय लोगों ने शव लेकर नगर के त्रिमुहानी के पास जाम लगा दिया। परिजनों के समर्थन में नगर पालिका अध्यक्ष मनोज जायसवाल और नगर विधायक रत्नाकर मिश्र भी मौके पर पहुंचे और धरने में शामिल हो गए। विधायक ने अपनी ही सरकार होने के बाद भी पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। पिटाई करने वालों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने और दरोगा को निलंबित करने की मांग की। विधायक के धरने पर बैठने से अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए। आरोपियों को 24 घंटे में गिरफ्तार करने और मुआवजे का आश्वासन देकर किसी तरह जाम समाप्त कराया। मामला 15 नवंबर 2020 का है। नारघाट मोहल्ला निवासी दिनेश साहनी ने क्षेत्र के शिव मंदिर के पास शराब पी रहे कुछ लोगों को मना किया तो उन लोगों ने उससे मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। उसे उपचार के लिए ट्रामा सेंटर बीएचयू में भर्ती कराया गया था।

मकर संक्रांति को लेकर सीएम योगी के दिए निर्देश

खिचड़ी मेले में श्रद्धालुओं को न हो परेशानी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि गोरखनाथ मंदिर में खिचडी चढ़ाने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए। तीन दिवसीय दौरे पर आये सीएम योगी ने बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में लगभग 150 से अधिक फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्या को सुना और जल्द से जल्द निस्तारण करने के लिए अधिकारियों को निर्देश भी दिया। उन्होने पुलिस और प्रशासन के अधिकारयों की बैठक कर गोरखपुर महोत्सव के आयोजन और खिचडी मेले के इंतजाम की जानकारी ली और कहा कि महोत्सव में जाने वाले लोगों और मंदिर में खिचडी चढ़ाने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह को किसी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने हालांकि अधिकारियों को कोविड प्रोटोकाल के लिए सचेत भी किया। सीएम योगी की सुबह की दिनचर्या परंपरागत रही। आवास से निकलने के बाद उन्होंने सबसे पहले गुरु

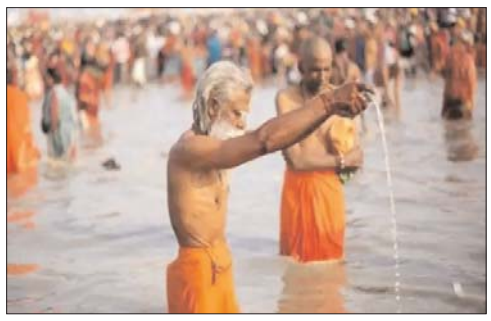

गोरखनाथ की पूरे विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना की। इसके बाद अपने गुरू ब्रह्मलीन अवेद्यनाथ का आशीर्वाद लेने के पश्चात उन्होंने करीब आधा घंटे तक गौशाला में गुजारा और फिर फरियादियों के बीच पहुंच गये और एक घंटे तक गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण कर खिचड़ी मेले के इंतजाम को देखा। मंदिर और मेला परिसर भ्रमण के दौरान वह अधिकारियों और मंदिर प्रबंधन के लोगों से लगातार कहते रहे कि किसी भी स्थिति में श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। फरियादियों की समस्याओं को सुनने का सिलसिला चला। सीएम योगी 14 जनवरी से चलने वाले

बेटे के साथ हत्या में नामजद पिता का पेड़ से लटका मिला शव

कानपुर देहात। एकतरफा प्यार और रेप का विरोध करने पर युवती की हत्या करने वाले युवक के पिता का शव गांव के बाहर पेड़ से लटकी मिला। युवती के परिजनों ने बेटी की हत्या में पिता को भी नामजद कराया था। कानपुर देहात में डेरापुर थाने के बलहरामऊ गांव में 11 जनवरी को एकता उर्फ वर्षा (19) की खेत पर परिवार के ही युवक शीलू ने गला काटकर हत्या कर दी थी। मृतका के चाचा ने मुख्य आरोपित शीलू के साथ ही उसके पिता दिनेश के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मुख्य आरोपित शीलू को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। उसके पिता दिनेश कटियार की पुलिस तलाश कर रही थी। बुधवार सुबह दिनेश का शव गांव के बाहर उसके नलकूप के पास आम के पेड़ से फांसी पर लटका मिला।

फेसबुक पर दोस्ती फिर प्यार... शादी तक पहुंच कर सब कुछ खत्म

गोरखपुर। फेसबुक पर दोस्ती, फिर प्यार और शादी तक मामला पहुंचने के बाद सब कुछ खत्म। सोशल साइट की प्रेम कहानी और दुष्कर्म के मामलों ने इन दिनों पुलिस को परेशान कर दिया है। सोशल साइट की प्रेम कहानी अब रोजाना थानों पर पहुंच रही है। ज्यादातर युवतियां इसका मोहरा बन रही हैं। हालांकि कुछ ऐसे भी मामले आ रहे हैं जिसमें युवक भी इस चक्कर में सब कुछ गवां रहे हैं। लव जेहाद की कहानियां भी इसी तरह की दोस्ती से शुरू हो रही है। गोरखपुर में हाल के दिनों में लव जेहाद के दो मामले आए जिसके तार फेसबुक फ्रेंडशिप से ही जुड़े मिले। हालांकि सिर्फ एक मामले में ही केस दर्ज हुआ है। दूसरे मामले में अभी विवेचना चल रही है।फेसबुक पर खुद की पहचान छिपाकर युवक-युवतियां रोजाना नए-नए फ्रेंड बना रहे हैं। उनकी फेक प्रोफाइल भी एक दूसरे को आकर्षित कर रही है। यही वजह है कि फेसबुक के जरिये दोस्ती के नाम पर जालसाजी तथा प्यार के नाम पर धोखा की कहानियां ज्यादा सामने आ रही हैं। गोरखपुर के चिलुआताल में दर्ज लव जेहाद के मामले में भी युवती की दोस्ती कर्नाटक के युवक से फेसबुक पर ही हुई थी। उसने अपनी पहचान छिपाई थी।

यूपी पंचायत चुनाव : आज रात को खत्म हो जाएगा जिला पंचायत अध्यक्षों का कार्यकाल, कई को देने पड़े थे इस्तीफे

लखनऊ। 13 जनवरी की रात 12 बजे से प्रदेश के सभी जिला पंचायत अध्यक्षों का कार्यकाल खत्म हो जाएगा। इसके साथ इन जिला पंचायतों में जिलाधिकारी प्रशासक बन जाएंगे। इन जिला पंचायत अध्यक्षों का बीता कार्यकाल काफी सियासी उठापटक वाला रहा। राज्य निर्वाचन आयोग से मिले आंकड़ों के अनुसार 2017 में जिपं अध्यक्ष के खिलाफ पांच अविश्वास आए और छह जिला पंचायत अध्यक्षों को त्यागपत्र देने पड़े। वर्ष 2018 में दो जिपं अध्यक्ष के त्यागपत्र के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आए और सात जिला पंचायत अध्यक्षों को त्यागपत्र देने पड़े। 2019 में एक जिपं अध्यक्ष ने त्यागपत्र दिया और तीन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाये गये। इसके बाद आयोग को इन पदों पर उपचुनाव करवाने पड़े। बताते चलें कि जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत के सीधे जनता से चुने गये सदस्यों के द्वारा ही चुने जाते हैं। ऐसे में सदस्यों की खरीद फरोख्त से यह चुनाव होते हैं, जिसमें धनबल, बाहुबल का खूब इस्तेमाल होता है। इसके बाद समय-समय पर सदस्यों की गुटबाजी व सियासी चालों की वजह से जिपं अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए जाते हैं या दबाव बनाकर उन्हें त्यागपत्र देने के लिए विवश किया जाता है। इसी वजह से जिपं अध्यक्ष का चुनाव भी सीधे जनता से करवाने की मांग बार-बार उठती रही है। खुद सत्तारूढ़ पार्टी के कई नेता यह मांग उठाते रहे हैं। मौजूदा प्रदेश सरकार ने राज्य के आगामी त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में जिला पंचायत अध्यक्ष व क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष यानि ब्लाक प्रमुख के चुनाव भी ग्राम प्रधान की ही तरह सीधे जनता से करवाने के लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजा था।

बदायूं गैंगरेप केसः पुजारी की आठ घंटे की रिमांड शुरू

आरोपियों को जेल से लेकर निकली पुलिस

बदायूं। बदायूं के गैंगरेप केस में नामजद हुए महंत सत्यनारायण समेत उसके चेले वेदराम व ड्राइवर जसपाल की आठ घंटे की रिमांड शुरू हो चुकी है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्हें जेल से पुलिस ने निकाला, जबकि इसके बाद तीनों को घटनास्थल ले जाया गया। वहां से उन्हें थाने लाकर पूछताछ के बाद पुलिस पुनः घटनास्थल पर ले गई है। विभिन्न पहलुओं पर तीनों से अलग-अलग पूछताछ की जा रही है। ताकि घटनाक्रम से जुड़ी परतें खुल सकें।

अदालत का आदेश लेकर बुधवार सुबह पुलिस जेल पहुंची। वहां से महंत समेत तीनों नामजदों को लेकर उघैती थाने पहुंची। एसपी देहात सिद्धार्थ वर्मा व सीओ बिल्सी अनिरुद्ध सिंह के साथ घटना के विवेचक इंस्पेक्टर उघैती देवेंद्र धामा के अलावा उघैती व इस्लामनगर थानों की पुलिस नामजदों को सीधे घटनास्थल ले गई। वहां कुछ बिंदुओं पर पड़ताल के बाद उन्हें थाने लाया गया। यहां अधिकारियों ने तीनों को अलग-अलग जगहों पर

रखते हुए सवालात किए। तकरीबन घंटेभर तक थाने में पूछताछ के बाद 11 बजे पुलिस पुनः तीनों को घटनास्थल पर लेकर रवाना हो गई है।

घटनास्थल सील- उघैती कांड के नामजदों को रिमांड पर लेकर घटनास्थल पहुंचने से पहले ही पुलिस ने वहां पांच सौ मीटर का इलाका पूरी तरह सील कर दिया है। गांव वालों समेत किसी भी आम या खास व्यक्ति को इस दायरे के भीतर एंट्री नहीं है। केवल पुलिस और आरोपियों की टोली ही भीतर ले जाई गई। घटनास्थल को जाने वाले हर मोड़ पर पुलिस की टीमें लगी हुई हैं। ताकि कोई भी भीतर दाखिल न हो सके। आरोपियों की रिमांड से पहले पुलिस यह तय कर चुकी थी कि किस तरह पूछताछ करना है और किन बिंदुओं पर पड़ताल की जानी है। कुल मिलाकर होमवर्क पूरा करने के बाद ही पुलिस ने अदालत में रिमांड की अर्जी दाखिल की। मंजूरी मिलने के बाद सब कुछ वैसा ही होने लगा, जैसा खाका पुलिस ने तैयार किया था। सुबह उघैती से पुलिस टीम बदायूं को रवाना हुई तो यहां भी अफसर अलर्ट हो गए। निर्धारित वक्त पर उन्हें जेल से निकाला गया तो दूसरी ओर घटनास्थल पर पुलिस ने पहरा बढ़ाते हुए पांच सौ मीटर का इलाका सील करने की प्रक्रिया पूरी कर डाली। थाने में तीनों को अलग-अलग कहां रखना है और साथ-साथ कहां पूछताछ करनी है, यह प्रक्रिया मंगलवार रात ही पूरी हो गई थी। अंदरखाने क्या चल रहा है, इसको लेकर गांव वाले केवल कयासबाजी ही कर रहे हैं। गांव के कुछ लोगों से भी पुलिस ने वहां पूछताछ की है।

सम्पादकीय

समाधान की ओर

तीन कृषि कानूनों को लेकर चल रहा विवाद सुप्रीम कोर्ट में समाधान की दिशा में बढ़ता लग रहा है, तो यह सुखद और स्वागतयोग्य है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ समाधान के लिए बहुत लालायित और दृढ़ दिखी है, जिससे लगता है, जल्द ही कोई समाधान निकलेगा। सोमवार को सुनवाई के दौरान उभरे तीन-चार संकेत बहुत स्पष्ट हैं। पहला संकेत तो यही है कि सर्वोच्च अदालत नए कृषि कानूनों पर कुछ समय के लिए रोक लगा सकती है। हालांकि, रोक लगाने जैसी किसी घोषणा की उम्मीद उसे केंद्र सरकार से भी है। दूसरा संकेत, केंद्र सरकार विवाद सुलझाने के लिए और वक्त चाहती है, लेकिन अदालत अब इसके लिए बहुत सहमत नहीं लगती। संकेत यह है कि अदालत एक समिति का गठन कर सकती है, जो कृषि कानूनों की समीक्षा करेगी और उसके नतीजों के आधार पर सर्वोच्च अदालत को फैसला लेने में सुविधा होगी। वैसे समिति के गठन का सुझाव पहले भी आ चुका है, जिसे किसान ठुकरा चुके हैं। कोई आश्चर्य नहीं, किसानों ने सोमवार को सर्वोच्च अदालत के रुख की तारीफ की, लेकिन समिति गठन के उसके सुझाव पर असहमति जताई। समिति के गठन, कृषि कानूनों की समीक्षा और अंतिम रिपोर्ट में काफी समय लग सकता है। अत- शीर्ष अदालत यदि समिति का गठन करे, तो फिर उसकी रिपोर्ट के लिए भी एक न्यूनतम समय-सीमा तय होनी चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने उचित ही यह स्पष्ट कर दिया है कि संविधान-सम्मत जो भी होगा, वह अवश्य करेगी। अदालत का साहसिक रुख दोनों पक्षों को समाधान के लिए प्रेरित करे, तो स्वाभाविक है। ऐसे विवादों को सुलझाने में जितनी साफगोई रहे, उतना ही अच्छा है। जो संविधान की रोशनी में उचित या व्यावहारिक है, उसी दिशा में बढ़ना आज समय की मांग है। अदालत की ओर से सामने आया तीसरा संकेत यह है कि सरकार कृषि कानूनों के फायदे के प्रति अदालत को सहमत या आश्वस्त नहीं कर सकी है। सरकार अगर आश्वस्त कर देती, तो अदालत को समिति गठन की जरूरत महसूस नहीं होती। सबसे जरूरी है, किसानों का आश्वस्त होना। अभी भी सरकार के पास मौका है, किसानों के साथ अगली बातचीत में कृषि कानूनों के ठोस फायदों के साथ किसानों को आश्वस्त करने की जरूरत है। जो समिति बनेगी, वह भी यही काम करेगी। किसानों व सरकार को इस प्रक्रिया से गुजरना ही होगा। किसानों को समिति से इनकार का हठ छोड़ देना चाहिए। बेहतर यही होगा कि किसान यह समझाने का प्रयास करें कि ये कृषि कानून किस तरह उनके प्रतिकूल हैं। सरकार और किसानों को अंतत- अपने-अपने तथ्य-तर्क के साथ बैठना होगा। अब यह इन दोनों को तय करना है कि समिति स्वयं किसानों व सरकार की होगी या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित। लोग जल्द से जल्द समाधान चाहते हैं। प्रतिकूल मौसम में लंबे समय तक ऐसे आंदोलन का चलना किसी के लिए भी सही नहीं है। बुजुर्ग, महिला और बच्चे जान जोखिम में डालकर सड़कों पर बैठे हैं, कड़ाके की सर्दी भी है और असमय बारिश ने भी बेहाल कर रखा है। लोगों को सरकार से बड़ी उम्मीदें हैं। अगर यह विवाद गणतंत्र दिवस से पहले सुलझ जाए, तो यह देश के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।

विकास दर संभालने की कवायद

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के मुताबिक, कोरोना महामारी की वजह से मौजूदा वित्तीय वर्ष में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.7 फीसदी तक की गिरावट हो सकती है। यह गिरावट पहले के अनुमान से कहीं ज्यादा है। पिछले वित्तीय वर्ष में विकास दर 4.2 प्रतिशत थी। वैसे तो, पहले भी जीडीपी दर ऊपर-नीचे होती रही है, लेकिन आजादी के बाद यह पहला मौका होगा, जब इसमें इतनी बड़ी गिरावट दर्ज की जाएगी। आखिर ऐसा क्यों हुआ? दरअसल, कोविड-19 के कारण इस वर्ष अप्रत्याशित हालात बन गए। लॉकडाउन लगाकर हमने अपनी आर्थिक गतिविधियां खुद बंद कर दीं। युद्ध के समय भी ऐसा नहीं होता। वैसी स्थिति में संघर्ष के बावजूद मांग की स्थिति बनी रहती है, जिसके कारण उत्पादन का ढांचा बदल जाता है और अर्थव्यवस्था चलती रहती है। जैसे, दूसरे विश्व युद्ध के समय जर्मनी में चॉकलेट बनाने वाली एक कंपनी ने हवाई जहाज के कल-पुर्जे बनाने शुरू कर दिए। मगर कोरोना संक्रमण-काल में मांग और आपूर्ति, दोनों ठप हो गईं। अपने यहां जब कभी भी गिरावट आई, तब उसकी वजहें तात्कालिक रहीं। मसलन, सन 1979 से पहले अर्थव्यवस्था में सिकुड़न सूखे के कारण होता था। चूंकि उस दौर में उत्पादन का प्रमुख आधार कृषि था, इसलिए साल 1951, 1965, 1966, 1971, 1972 और 1979 में पर्याप्त बारिश न होने से विकास दर प्रभावित हुई। कृषि-उत्पादन बढ़ते ही अर्थव्यवस्था अपनी गति पा लेती थी। सरकार की इसमें कोई भूमिका नहीं होती थी। साल 1967-68 में यह भी पाया गया कि देश में जब सूखा आता है, तो कपड़ेकी मांग कम हो जाती है। असल में, सूखा पड़ जाने से लोगों की क्रय-क्षमता कम हो जाती थी और वे नए कपड़े खरीदने से बचने लगते थे। चूंकि कृषि के बाद कपड़ा उद्योग दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर था, इसलिए वहां मांग कम होने का असर हमारी पूरी अर्थव्यवस्था पर दिखता। मगर 1979-80 के बाद अर्थव्यवस्था पर सर्विस सेक्टर हावी होता गया, जिसके कारण सूखे के बावजूद अर्थव्यवस्था बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं हुई। जैसे, साल 1987 के सूखे के बाद भी विकास दर धनात्मक रही। अब अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी घटकर 13 प्रतिशत के करीब रह गई है, जबकि सर्विस सेक्टर की भागीदारी बढ़कर 55 प्रतिशत हो गई है। इस कारण यदि कृषि में 20 फीसदी तक की गिरावट (जो काफी ज्यादा मानी जाएगी) भी आती है, तो अर्थव्यवस्था को सिर्फ 2.6 प्रतिशत का नुकसान होगा, जबकि सर्विस सेक्टर आठ प्रतिशत की दर से भी बढ़ता रहा, तो वृद्धि दर में उसका पांच फीसदी का योगदान रहेगा। विगत वर्षों में जब कभी संकट आया, तो सरकार को खास पहल करनी पड़ी। साल 2007-08 की वैश्विक मंदी का ही उदाहरण लें। इसमें सरकार ने मांग बढ़ाने का काम किया, जिसके कारण विकास दर काबू में रही। उस समय न सिर्फ किसानों के कर्ज माफ किए गए, बल्कि मध्याह्न भोजन, ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी योजनाओं का बजट बढ़ाकर दो-तीन लाख करोड़ रुपये ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचाए गए। इससे देश का राजकोषीय घाटा जरूर बढ़ गया, लेकिन लोगों के हाथों में पैसे आने से बाजार में मांग पैदा हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में पैसे भेजने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को खूब लाभ मिलता है। इसके बरअक्स, शहरी लोग रुपये की आमद होने पर विलासिता की चीजें अधिक खरीदते हैं। चूंकि विलासिता के ज्यादातर उत्पाद विदेश से आयात होते हैं, इसलिए इन पर खर्च किया जाने वाला काफी पैसा संबंधित निर्यातक देश के खाते में चला जाता है, जबकि ग्रामीण बाजार में विलासिता की चीजें तुलनात्मक रूप से कम खरीदी जाती हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था में पैसों की आमद बढ़ जाती है। आंकड़ों में इस साल कृषि क्षेत्र में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। मगर पहली तिमाही में इस क्षेत्र में जबर्दस्त गिरावट आई है, क्योंकि मंडी में फल-सब्जी जैसे उत्पाद काफी कम मात्रा में पहुंचे। दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था कुछ संभली जरूर, लेकिन पटरी पर नहीं लौट सकी। तीसरी-चौथी तिमाही की भी बहुत अच्छी तस्वीर नहीं दिख रही। यानी, जो आकलन किया गया है, उससे भी ज्यादा की गिरावट आ सकती है। जैसे कि सर्विस सेक्टर में रेस्तरां, होटल, परिवहन आदि की सेहत अब भी डांवांडोल ही है। इस संकट का समाधान क्या है? सार्वजनिक खर्च बढ़ाने का दांव खेला जा सकता है, पर हमारा राजकोषीय घाटा पहले से ही बढ़ा हुआ है। कोविड-19 से पहले केंद्र, राज्य और सार्वजनिक इकाइयों का संयुक्त घाटा करीब 10 फीसदी था।

इंतज़ार करने से भी सब हासिल नहीं होता

इंतज़ार करने से भी सब हासिल नहीं होता
जो दरिया है , वो कभी साहिल नहीं होता
ज़िन्दगी भले ही हो रोज़ नज़र-ए-मसाइल
खुदाया , ये दिल कभी बोझिल नहीं होता
वो मुझ तक आता है और गुज़र जाता है
बसा है नैनों में, रूह में शामिल नहीं होता
कैसे मानें कि बेहद कुछ अच्छा नहीं होता
इश्क़ जितना भी हो,वो फ़ाज़िल नहीं होता
कुछ तो बात है जरूर तुम में , सच जानो
वर्ना यूँ ही मैं किसी का काइल नहीं होता
मैं चाहता हूँ कि अमन-चैन का जहान हो
मैं खुदा नहीं, मेरा कहा तामील नहीं होता
नज़र-ए-मसाइल-परेशानियों से घिरा हुआ

काइल-प्रशंसक
सलिल सरोज

आशमान को छूती पतंग

चलो आज पतंगो संग भ्रमण करते हैं ।
आसमान से आज कुछ बातें करते हैं ।
इन्द्रधनुष की तरह हुबहु पतंगों के संग ।
आकाश की कुछ चुपके से बातें सुनते हैं ॥
धीरे-धीरे उडकर नभ को छूती पतंग ।
सोचो सबसे पहले किसने बनाई पतंग ।
मांझा और डोर हैं सच्चे इसके साथी ।
बिना पंख उडना कैसा है हुनर पतंग ॥
मकसद सिर्फ है इसका आकाश छूना ।
खुले आशमान मे डगमगाते हुए उडना।
भय बहुत है इसको डोर कट जाने का।
हौंसला है इसका साथियों से आगे बढना ॥
मालूम हैं पंतग को अंत मे कचरे मे जाना ।
लेकिन इससे पहले आकाश छुकर दिखाना
कैसे मांझे संग लिपटकर ये पंतग ।
साथी पतंगो के संग लडकर कट जाना ॥
काट ना सके कोई कभी मेरी पतंग ।
टूट ना सके डोर विशवास के संग ।
पतंग बनकर मेहमान आशमान की ।
बिखेरती रहे हमेशा कुछ अलग से रंग ॥

-भगवान सिंह चारण, अम्बेसुत, डीडवाना राजस्थान

मकर संक्रान्ति

बदलता राशि है जब सूर्य घटना
कहलाती संक्रान्ति
करता सूर्य मकर प्रवेश होती तभी
मकर संक्रान्ति
कर लो दान, पूजा, पुण्य जो
भी कर्म हो पाए
लगाकर गंग में डुबकी जगाओ
भक्ति की सब क्रान्ति।
बधाई आप सभी को है कि जीवन
पूरा रहे उजास
सफलता चूमे कदम तुम्हारे आये
खुशियाँ संग उल्लास,
आओ प्रेम की खिचड़ी खाएं, बैठे खाएं लड्डू-तिल
मन से जोड़े डोरें मन की पतंग रिश्तों की उड़े आकाश।
कष्ट दूर हों जीवन के सब ओज नया दें वही प्रभाकर
जीवन पुष्पित रहे सदा ही तेज नया दें वही प्रभाकर,
जगत भाष्कर सबके मन में एक नया उद्दीपन दे
जीवन गाड़ी रुके न कोई वेग नया दें वही दिवाकर।

नीरज कुमार द्विवेदी
गत्रीपुर-श्रृंगीनारी,
बस्ती-उत्तरप्रदेश

डेवलपर से अपार्टमेंट क्रेता समझौते में एकतरफा व अनुचित धाराएं शामिल करना-अनुचित व्यापार प्रथा का गठन: सुप्रीम कोर्ट

फ्लैट खरीदने का एग्रीमेंट करते समय क्रेता को सतर्क,सचेत एवं सावधान होना जरूरी - एड किशन भावनानी

गोंदिया - भारत में हम अनेक वर्षों से प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से देखते व सुनते आ रहे हैं कि हमें किसी अपार्टमेंट में अगर घर खरीदते समय, जो स्वामित्व हस्तांतरण की तारीख दी जाती है, एग्रीमेंट के समय वह घर हमें उस तारीख के को या उसके आसपास के महीनों में भी मिलने की उम्मीद नजर नहीं आती, और सालों लग जाते हैं और दूसरी तरफ जब हम फ्लैट खरीदते समय एक एग्रीमेंट करते हैं, उसमें अनेक ऐसी बातों को शामिल किया जाता है जिसके बारे में घर खरीदने वालों को अधिक जानकारी नहीं होती,और कई बातें ऐसी होती है जो विक्रेता को आगे चलकर सहायता प्रदान करती है और जब स्वामित्व हस्तांतरण में स्वाभाविक रूप से देरी होती है और क्रेता स्वामित्व हस्तांतरण को लेकर अदालतों की दहलीज पर पहुंचता है, तो विक्रेता को एग्रीमेंट में लिखी बातों का सहारा व लाभ मिलता है और क्रेता को कुछ कानूनी अड़चन पैदा होती है, और मामला उपभोक्ता अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट की दहलीज तक पहुंच जाता है, जिसमें समय,आर्थिक, मानसिक व शारीरिक क्षति उठाना होता है। अतः क्रेताओं को एग्रीमेंट करते समय काफी सतर्क, सावधान व सचेत रहने की जरूरत है, ताकि भविष्य में आने वाली तकलीफों में पूर्णता से सजगता व सावधानी आ जाए, या कानूनी जानकारों की सेवाओं को लेना उचित हो जाता है, इसी प्रकार का एक मामला माननीय सुप्रीम कोर्ट में सोमवार दिनांक 11 जनवरी 2021 को, माननीय तीन जजों की एक बेंच, जिसमें माननीय न्यायमूर्ति डॉ धनंजय वाई चंद्रचूड़ माननीय न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा तथा माननीय न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी की बेंच के सम्मुख आया, जो सिविल अपील क्रमांक 5785/2019 व अन्य अनेक अपीलों सहित रियल स्टेट प्राइवेट लिमिटेड बनाम अभिषेक खन्ना व अन्य के मामले में बेंच ने अपने 55 पृष्ठों और अनेक प्वाइंटों के आदेश में कहा कि अपार्टमेंट क्रेता समझौते में एकतरफा और अनुचित धाराओं को शामिल करने से उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की धारा 2 (1) (आर) के तहत एक अनुचित व्यापार प्रथा का गठन होता है। आदेश कॉपी के अनुसार बेंच ने कहा कि डेवलपर अपार्टमेंट खरीदारों को अपार्टमेंट क्रेता समझौते में निहित एकतरफा अनुबंध शर्तों से बाध्य होने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है। अदालत ने इस तरह से राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग द्वारा पारित एक आदेश के खिलाफ एक डेवलपर द्वारा दायर की गई अपील का निपटारा करते हुए यह निर्देश दिया कि निर्माण पूरा करने और कब्जे का प्रमाण पत्र प्राप्त करने में देरी के कारण अपार्टमेंट खरीदारों द्वारा जमा की गई धनराशि वापस कर दी जाए। शीर्ष न्यायालय के समक्ष अपील में निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए थे- उस तिथि का निर्धारण,जिसमें से कब्जे को सौंपने के लिए 42 महीने की अवधि की गणना खंड 13.3 के तहत की जानी है, चाहे वह डेवलपर द्वारा उल्लिखित अग्नि एनओसी जारी करने की तारीख के अनुसार हो ; या, अपार्टमेंट खरीदारों द्वारा उल्लिखित बिल्डिंग प्लान की मंजूरी की तारीख से; क्या अपार्टमेंट क्रेता के समझौते की शर्तें एकतरफा हैं, और अपार्टमेंट खरीदार उससे बाध्य नहीं होंगे; क्या उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम,1986 के प्रावधानों पर रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम,2016 के प्रावधानों को प्रमुखता दी जानी चाहिए; (द्व1) क्या कब्जे को सौंपने में देरी के कारण,अपार्टमेंट खरीदार समझौते को समाप्त करने के हकदार थे, और ब्याज के साथ जमा की गई राशि की वापसी का दावा कर सकते थे। दूसरे मुद्दे पर चर्चा करते हुए, बेंच ने समझौते की धाराओं का उल्लेख किया और कहा कि वही अपार्टमेंट क्रेता समझौते के पूर्णतया एकतरफा शब्दों को दर्शाता है, जो पूरी तरह से डवलपर के पक्ष में झुकते हैं, और हर कदम पर आवंटियों के खिलाफ होते हैं। अदालत ने कहा कि अपार्टमेंट क्रेता समझौते की शर्तें दमनकारी और पूरी तरह से एकतरफा हैं, और ये उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम,1986 के तहत एक अनुचित व्यापार व्यवहार का गठन करेंगी। हमारा विचार है कि अपार्टमेंट क्रेता समझौते में ऐसे एकतरफा और अनुचित खंडों को शामिल करना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की धारा 2 (1) (आर) के तहत एक अनुचित व्यापार प्रथा है। यहां तक कि 1986 के अधिनियम के तहत उपभोक्ता मंचों पर किसी भी तरह से अनुचित या प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथाओं को रोकने की शक्ति की घटना के रूप में एक संविदात्मक शब्द को अनुचित या एकतरफा घोषित करने के लिए रोक नहीं लगाई गई है। 2019 अधिनियम के तहत एक अनुचित अनुबंध को परिभाषित किया गया है, और राज्य उपभोक्ता मंचों और राष्ट्रीय आयोग को शक्तियां हैं कि वो अनुबंध की शर्तों को, जो अनुचित हैं उन्हें शून्य और निरर्थक घोषित करें । यह एक शक्ति की वैधानिक मान्यता है जो 1986 अधिनियम के तहत निहित थी। उपरोक्त के मद्देनज़र, हम मानते हैं कि डवलपर अपार्टमेंट खरीदारों को अपार्टमेंट क्रेता समझौते में निहित एकतरफा संविदात्मक शर्तों से बाध्य होने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है। तीसरे मुद्दे का जवाब देने के लिए पीठ ने मेसर्स इम्पीरिया स्ट्रक्चर्स लिमिटेडबनाम अनिल पाटनी और अन्य में हाल के फैसले का उल्लेख किया, जिसमें यह देखा गया था कि रेरा अधिनियम की धारा 79 एक आवंटी की ओर से दाखिल शिकायतपर सुनवाई से उपभोक्ता मंच को रोकती नही है। अन्य मुद्दों काभी आवंटियों के पक्ष मेजबाब दिया गया था। बेंच ने अंत में कहा अतः यह अपील बिना कॉस्ट के डिस्पोज की जाती हैं और साथ ही सभी पेंडिंग अपीलें भी डिस्पोज की जाती हैं।

विषेशज्ञ एड किशन भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

बेटियों से पहचान हमारी

माता-पिता के जान से प्यारी,
दादी-दादाजी के राज दुलारी।
बड़े लाड से कहें चाची-चाचा,
बेटियों से ही पहचान हमारी।
जिस घर जन्म लेती हैं बेटियां,
वहीं होता शहनाई की तैयारी।
बड़े ही अभिमान से कहे भाई,
बहन पुरायेगी अरमान हमारी।
बेटियों से घर में होती है रौशनी,
इन्हीं से तो बनती नई रिस्तेदारी।
बड़े ही गर्व से कहते हैं दादाजी,
बेटियां सिखाती हमें दुनियादारी।
बिना बेटियों के जग सारा सूना,
सूना रहता त्योहारों की तैयारी।
बेटियां निकलती हैं सज-धज के
पूरा होता कुल के अरमान सारी।

गोपेंद्र कु सिन्हा गौतम
औरंगाबाद बिहार

निशा...

कई रातों की तरह नीशा की यह रात भी बीत रही थी।अलार्म ने सुबह के छह बजाए तो वह बिस्तर समेटने लगी। कल उसका जन्मदिन था। इसलिए उसे ऋषभ की याद आ रही थी। कभी वो गुस्सा होती तो कभी समर्पण के तर्क ढूंढ रही थी। नित्य कार्यो से निपट कर वह आँगनवाड़ी जाने के लिए आटो के इतँजार मे सडक़ किनारे खडी थी। दो दिन पूर्व ही बडी भाभीजी भैया को कह रही थी कि दीदी तो पानी की ट्रे मे बर्फ जमती है वैसे घर मे जम गई है।हमने तो केवल ससुराल की परिस्थिति के बारे मे जानकारी ली थी। पति पत्नी मे नौकझोक होती रहती है।इन्होंने तो उस घर के बजाय यहां रहने को तरजीह देने लगी है। भैया भाभी की बातों ने उसे अपना निर्णय गलत या सही? सोचने को मजबूर कर दिया।उसे अहसास हो रहा था कि उसे तुनक मिजाज बनकर ऋषभ का घर नहीं छोडना चाहिए। छुट्टी के दिन चौराहे पर दोस्त की दुकान पर ऋषभ नमन को लेकर आ गया।खेल खेल मे नमन ने सडक पर पडे गोबर को छू लिया। यह देख कर मुझे गुस्सा आ गया और गुस्से मे न जाने क्या क्या बोल गई। मुझे खुद को भी नही मालूम।ऋषभ घर आकर नमन के हाथ धो दिए और उसी की तोतली भाषा मे शेर हाथी की कहानियां सुनाने लगा। मुझे महसूस हुआ कि ऋषभ मेरी बात पर ध्यान नहीं दे रहा और मैने बिना आगे पीछे सोचे घर छोड दिया. ।मैंने ऋषभ को सबक देना ही उचित समझा। पर जीवन की वास्तविक जिम्मेदारियों से पलायन करना भी मूर्खता होती है।मुझे यथार्थ का अहसास होने लगा। नमन की मम्मा को ढूढंती कजरारी आँखें और ऋषभ का धीरज भरे हौसले का मै सामना कैसे करूँगी निशा को पसीना आने लगा। निशा ने पर्स से मौबाइल निकाला और ऋषभ काल किया हैलो नमन ने खाना खाया? प्रत्युत्तर मे ऋषभ ने केवल हाँ कहा। सुनो मै शाम को घर आ रही हूँ। क्यों? ऋषभ ने पूछा। सोरी कहना है। फोन पर ही कह दो। ऋषभ बोला। ँ नहीं । निशा ने हसँते हुए फोन काट दिया। समझदारी से जीवन की राह मे रौशनी होने लगी।

पेन्टर लाल चँद तुनगरिया

जाना तो तय है

चल पड़े नंगे पांव
पर जाना कहां है ?
न मंजिल का पता
न रास्ते की खबर
पर जाना तो तय है ।
हर डगर पर पड़ाव
मंज़िल पाने की चाह हो
और हौसला हो बुलंद
तो निश्चय ही
मिल जायेगी मंजिल
संयम जीवन का मंत्र
समर्पित हो जाते हैं जब
प्रकृतिक देती है राह
सरल हो जाता है सफर
और सुन्दर सलोना जीवन

शिवनन्दन सिहं
साधुडेरा बिरसानगर

स्वामी विवेकानंद

कलकत्ता में बारह जनवरी को अवतार हुआ है,
महान आत्मा, बुद्धि को धारण किया है।
राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा करने में,
भारत को नव निर्माण का संकल्प लिया है।।
भारत के महान सपूत स्वामी विवेकानंद,
भक्ति रस का इस जगत में पाठ पढ़ाया है,
विश्व में सभी धर्मों का सम्मान किया था,
शिकागो में सर्व धर्म सम्मेलन कराया है।।
इस धरा के शौर्य ,धीर, वीर और कर्मठ,
अपना आदित्य स्थान इस जग में बनाया है।
नर- पशुओं में अलग भेद बता कर के स्वामी,
भारत वासियों को नई दिशा दिखाया है।।
जीवन पथ पर अनवरत संघर्ष करो तुम,
जब तक तुमको पूरा लक्ष्य न मिल जाए।
स्वामी विवेकानंद जी का यही शिक्षा रहे,
तन,मन में तुम यही संकल्प को अपनाएं।।
इस पुण्य पावन धरा में सबसे प्यारा था,
भक्त शिरोमणि स्वामी विवेकानंद जी कहलाया।
उनके सत्य हृदय और ईश्वर की भक्ति से,
भारत को नव निर्माण का बीड़ा उठाया।।

देवीदीन चंद्रवंशी
ग्राम- बेलगवां
तहसील पुष्पराजगढ़

कोई अपराधी क्यों बना ?

मां एक बात नहीं समझ आती जो सतीश अंकल है कितनी बार जेल जा चुके हैं फिर भी ये ड्रग्स का काम छोड़ क्यूं नहीं देते, जेल से छूटते ही फिर वही काम शुरू कर देते हैं, ऐसा क्यों मां वो अंकल ऐसे क्यूं हैं? बेटा जिस तन लागे सो तन जाने, वो अपराधी क्यों बना ये कोई ना समझे, कोई ना जाने! अर्थात बेटा उनके पिता बहुत बड़ी कम्पनी के मालिक थे उनका मेनेजर दगाबाज निकला जिस पर वो बहुत भरोसा करते थे, धीरे धीरे कम्पनी को घुन की तरह चाट गया, उसका पता चला तो उसे कम्पनी से निकाल दिया, फिर भाई के साथ नया व्यापार शुरु किया, भाई ने भी धोखे से सारी सम्पत्ति अपने नाम कर ली, कुछ भी रहा पास, गम ने खाया पेरालाइंज़ हो गया । बीवी बहुत बीमार हो गई, पैसे की कमी, इलाज ना होने से मर गई, एक छोटी दूध पीती बेटी थी, वो भी भूख से बिलख- बिलख कर सतीश के सामने दम तोड गई, 7 साल का मासूम सतीश कुछ ना कर सका, पिता लाचार बिस्तर पर बस तब से एक ही धुन कि खूब पैसा कमाना है, चाहे उल्टे तरीके से हो या सीधे तरीके से ! सतीश को सिर्फ पैसे की ही भाषा मालूम है ।

प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

हस्त-मुद्राशास्त्रः आकाश मुद्रा

जिस प्रकार आसन व प्राणायाम आदि के नियमित व समुचित अभ्यास से साधकों को आरोग्य लाभ के साथ आभ्यांतरिक उन्नति में भी सहायता मिलती है, उसी प्रकार हस्त मुद्राएं भी उनके शरीर व मन के अंदर तरह-तरह के रोगों से मुक्त होने और उनसे बचने की क्षमता प्रदान करती हैं। हस्त मुद्राएं हमारे शरीर व मन को नीरोग ही नहीं रखतीं बल्कि हमारे भौतिक व आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग भी प्रशस्त करती हैं। हमारे प्राचीन शास्त्रों में इस बात की पुष्टि भी अनेक ढंग से की गयी है कि हस्त मुद्राएं शरीर के अन्तरंग सूक्ष्म स्पन्दनों को प्रभावित करने वाले उन केन्द्रों को सक्रिय करने वाली विशेष प्रकार की हस्त भंगिमाएं हैं जो हमारी हथेलियों व अंगुलियों पर स्थित होती हैं। इनसे हमें अपने अन्दर की उस सुषुप्त चैतन्य ऊर्जा को जगाने में सहायता मिलती जो हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

आकाश मुद्रा योग- आयुर्वेद के अनुसार सेहत से जुड़ी कोई भी समस्या, पंचतत्व एवं वात, पित्त व कफ में असंतुलन के कारण पैदा होती है। माइग्रेन भी उन्हीं में से एक समस्या है जो असाधारण सिरदर्द के साथ ही सेहत की अन्य समस्याओं को भी बढ़ाता है। आयुर्वेद कहता है कि माइग्रेन की समस्या, शरीर में आकाश तत्व की कमी के कारण होती है। अगर इसे संतुलित किया जाए तो माइग्रेन से निजात पाई जा सकती है। आकाश मुद्रा योग की वह मुद्रा है, शरीर के पांच तत्वों में से आकाश तत्व को बढ़ाती है और आकाश तत्व की कमी से होने वाली सेहत समस्याओं को दूर करती है। आकाश मुद्रा को करते समय धीरज रखना भी बहुत जरूरी है। इससे ही कोई भी व्यक्ति अपनी मनचाही मंजिल को पा सकता है।

विधि - आकाश मुद्रा के लिए सबसे पहले पद्मासन, सुखासन अथवा वज्रासन में बैठ जाएं। अब दोनों हाथों की मध्यमा अर्थात् बीचकी सबसे बड़ी उंगली के अग्रभाग यानि पोर को अंगूठे के अग्रभाग से मिलाएं, शेष तीनों उंगलियाँ सीधी रहें। ध्यान लगाकर किसी आसन में बैठ जाएं, अपनी जीभ को मुंह के अंदर मोड़कर तालू को छुआएं फिर सिर को धीरे-धीरे पीछे की ओर मोडें तथा आसन को पूरा करें। वज्रासन में आकाश मुद्रा का अभ्यास सबसे ज्यादा ताकतवर होता है। ध्यान के दूसरे आसनों में आकाश मुद्रा का इस्तेमाल किया जा सकता है। जाप करने वाली माला के मोतियों को सुख-समृद्धि और शांति के लिए बीच की उंगली से आगे की ओर सरकाते हैं।

अवधि- आकाश मुद्रा का अभ्यास एक बैठक में 10 से 16 मिनट तक करना चाहिए। इस आसन को 3 बार में करके लगभग 45 से 48 मिनट का अभ्यास किया जा सकता है।

लाभ - आकाश मुद्रा हृदय रोग को दूर करने वाली सबसे शक्तिशाली मुद्रा है। माइग्रेन या साइनसाइटिस के दर्द में कमी, सीने के दर्द में लाभ, उच्च रक्त चाप में फायदेमंद, शरीर में भारीपन होने पर लाभदायक, शरीर को विषाक्त तत्वों से मुक्ति, सकारात्मक विचारों का संचार होता है। आकाश मुद्रा का अभ्यास करने वाले को चेतना प्राप्त होती है। यह मन को शांति देता है। इसको करने से आज्ञा चक्र में ध्यान लगता है। इसका अभ्यास करने से हड्डियां मजबूत बन जाती हैं। दिल के सारे रोगों को दूर करने में मदद मिलती है, कान के रोग जैसे कान बहना, कान में दर्द आदि दूर करने में सहायक है, सुनने की शक्ति तेज होती है, शरीर में चुस्ती-फुर्ती पैदा होती है,

सावधानी - वात प्रकृति वालों को यह मुद्रा नहीं करनी चाहिए। इससे गैस, त्वचा में सूखापन, गठिया की समस्या हो सकती है। भोजन करते समय एवं चलते फिरते यह मुद्रा न करें। हाथों को सीधा रखें । लाभ हो जाने तक ही करें । आकाश मुद्रा का अभ्यास चलते-चलते नहीं करना चाहिए, यह मुद्रा बनाकर कभी भी हाथों को उल्टा नहीं करते हैं, इस मुद्रा में हाथ हमेशा आकाश की ओर ही खुलने चाहिए। अच्छा हो इसे पहले किसी योग विशेषज्ञ से सीख लें।

डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज'

कंगना रनौत ने एक बार फिर तापसी पर साधा निशाना, कहा-

हमेशा मेरी कॉपी करती है

बॉलीवुड में अपने विवादित बयानों से सभी के बीच छाई हुई एक्ट्रेस कंगना रनौत ने एक बार फिर तापसी पन्नू पर निसाना साधा है। एक्ट्रेस कंगना रनौत और तापसी पन्नू के बीच ट्विटर पर वॉर हुआ है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि दोनों के बीच वॉर हुआ हो। इन दोनों के बीच नेपोटिज्म, फिल्मी करियर जैसी कई मुद्दों पर झगड़ा हो चुका है। इस बार कंगना ने तापसी को फोटोशूट कॉपी करने को लेकर टारगेट किया है। दरअसल मुद्दा ये है कि कौन किसे कॉपी करता है। सोशल मीडिया पर एक फैन ने कंगना और तापसी की तस्वीरों को कम्पेयर कर पोस्ट डाली है। हुआ ये कि तापसी पन्नू ने कंगना रनौत का फोटोशूट कॉपी किया है। उन्होंने उसी स्टाइल में फोटो क्लिक करवाई है जिस अंदाज में कंगना पहले से ही क्लिक करवा चुकी हैं। जी हां कंगना का हेयरस्टाइल और पोज दोनों ही तापसी के इस फोटोशूट से मैच खाता है। एक ट्वीटर यूजर ने तापसी को निशाना बनाते हुए बोला कि, तापसी ने कंगना को 1000वीं बार कॉपी कर लिया है। इसके बाद ये तस्वीर वायरल होती चली गई, जिसके बाद कंगना रनौत ने इस पोस्ट पर चुटकी लेते हुए तापसी की मजाकिया ढंग से खिंचाई कर दी। कंगना ने ट्वीटर पर यूजर को रिप्लाए दिया और कहा कि, तापसी तो उनकी सबसे बड़ी फैन हैं। वे तो उन्हें हमेशा कॉपी करती हैं। मैं तो इंप्रेस हो गई हूं। ये मेरी बहुत बड़ी फैन हैं, जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी सिर्फ मुझे कॉपी करने में निकाल दी। कंगना ने आगे कहा, वैसे भी जिस अंदाज में मैंने पॉप कल्चर को आगे बढ़ाया है, वैसे तो शायद ही किसी ने बढ़ाया होगा। बिग बी के बाद सबसे ज्यादा मुझे ही कॉपी किया जाता है। सोशल मीडिया पर कंगना रनौत का यूं तापसी पर तंज कसना फैन्स को काफी पसंद आ रहा है। ट्वीटर पर तमाम फैन्स इस समय तापसी को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। लेकिन खुद तापसी की तरफ से इस पर रिएक्शन नहीं दिया गया है।

फैमिली प्लानिंग को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने कहा

मुझे क्रिकेट टीम चाहिए...

इन दिनों बॉलीवुड में फैमिली प्लानिंग का सीजन चल रहा है। कई बॉलीवुड एक्ट्रेसेस की मां बनने की खबर सामने आ रही है। ऐसे में प्रियंका चोपड़ा से भी जब फैमिली प्लानिंग को लेकर सवाल पूछे गए तो उन्होंने पूरी क्रिकेट टीम खड़ी करने की इच्छा जाहिर कर दी। जी हां आमतौर पर सेलेब्स के पास एक या दो ही बच्चे देखे जाते हैं लेकिन प्रियंका चोपड़ा से जब एक इंटर्व्यू में उनकी फैमिली प्लानिंग को लेकर सवाल पूछे गए तो उन्होंने कहा, मुझे बच्चे चाहिए, एक या दो नहीं.. कई सारे बच्चे एक क्रिकेट टीम जितने। हालांकि एक 11 बच्चे की चाहत को जाहिर करने के तुरंत बाद प्रियंका हंस पड़ीं और थोड़ा सोच कर कहा कि, शायद 11 कुछ ज्यादा ही हो जाएंगे, मैं श्योर नहीं हूं। यही नहीं प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस के साथ अपने 10 साल के एज गैप को लेकर भी कई तरह की बातें कीं, क्योंकि इनकी शादी के बाद से ही यह टॉपिक सुर्खियों में रहा है। ऐसे में प्रियंका ने इस बात को साफ कर दिया कि उम्र का अंतर और कल्चर कभी भी इन दोनों के प्यार के बीच नहीं आया। प्रियंका चोपड़ा ने कहा था कि एक साधारण कपल की तरह आप दोनों को एक-दूसरे की आदत पसंद और नापसंद के बारे में समझना होता है। उनके लिए निक के साथ जिंदगी एक ऐडवेंचर की तरह है। मुश्किलों का सामना करने की तरह नहीं। उनके लिए उम्र का अंतर कभी मायने ही नहीं रखा है। मालूम हो, कि प्रियंका चोपड़ा और अमेरिकन सिंगर निक जोनस की शादी राजस्थान के उम्मेद भवन में हिंदू और क्रिश्चियन दोनों ही रीति-रिवाजों से हुई थी। इनकी शादी की तस्वीरें आज भी सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। बात प्रियंका के वर्क फ्रंट की करें तो जल्द ही वह फिल्म द मेट्रिक्स 4 में नजर आएंगी। इसके अलावा उनकी फिल्म टेक्स्ट फॉर यू को लेकर भी दर्शकों में जबरदस्त क्रेज बना हुआ है।

डेथ इन बॉलीवुड:जिया खान की मौत पर बनी डॉक्युमेंट्री से उठे सवाल, सोशल मीडिया यूजर ने पूछा-

जिया का ट्रैक-सूट और गले का निशान कहां गया

एक्ट्रेस जिया खान की विवादित मौत पर डॉक्युमेंट्री डेथ इन बॉलीवुड के पहले एपिसोड का का प्रसारण सोमवार को बीबीसी १ पर किया गया। इसे देखने के बाद दर्शक नाराजगी जता रहे हैं कि कैसे मुंबई पुलिस मुख्य सबूतों को ट्रैक करने में असफल रही। खासकर उस ट्रैक-सूट को लेकर लोगों ने पुलिस की आलोचना की है, जो जिया खान ने मौत वाले दिन पहना था और बाद में वह गायब हो गया।

सोशल मीडिया पर ऐसे कमेंट आ रहे

एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा है, अभी-अभी डेथ इन बॉलीवुड देखी और यहां बहुत कुछ अनएक्सप्लेन्ड है। वह एक घंटे पहले अपनी मां को देखती है, जानती थी कि कोई रिश्तेदार उसे खोज लेगा। फिर भी अभी तक कोई नोट नहीं गायब ट्रैक-सूट, उसके गले पर बना निशान उस फोन को नष्ट करना, जो वह सीबीआई में इस्तेमाल करती दिख रही उम्मीद करती हूं कि उसकी फैमिली को इंसाफ मिलेगा। एक अन्य यूजर ने लिखा है, मुझे इस बात पर गुस्सा आ रहा है कि सुशांत सिंह राजपूत और जिया खान को इंसाफ नहीं मिला है। जबकि दोनों इसके हकदार हैं। एक यूजर ने लिखा, डेथ इन बॉलीवुड देख रहा हूं। हे भगवान! यह केस सुशांत सिंह राजपूत के केस के कितने करीब है। खुशी है कि मैं यह ब्रिटिश टीवी पर देख रहा हूं। उम्मीद है कि यह और लोगों को बॉलीवुड के काले सच से रुबरू कराएगी। एक यूजर का कमेंट है, यह देखना बहुत मुश्किल है और मुझे याद है कि यह तब हुआ था, क्योंकि मैं इस केस को फॉलो कर रही हूं। लेकिन इसमें कई लूपहोल्स थे। परिवार इंसाफ का हकदार है। मुझे नहीं लगता कि यह खुदकुशी थी। एक यूजर ने लिखा है, मैं कोई बॉलीवुड नहीं देखती और न ही मुझे इसका खेद है। लेकिन सिर्फ 10 मिनट में अहसास हो गया कि कुछ तो सही नहीं है।

पहले एपिसोड में क्या दिखाया गया

पहले एपिसोड में दिखाया गया कि सीबीआई जांच फिर से शुरू कर रही है। जिया खान की मां राबिया कहती हैं कि उनकी बेटी की हत्या हुई है। फोरेंसिक एक्सपर्ट जिया के गले पर आए निशान और उस ट्रैक-सूट के बारे में बात कर रहे हैं, जो जिया ने मौत वाले दिन पहना था। सूरज पंचोली और वह सुसाइड नोट भी डॉक्युमेंट्री में दिखाया गया है, जिसमें जिया ने सूरज के साथ अपने मुश्किल भरे रिश्ते के बारे में लिखा था।

3 जून को घर में मृत मिली थीं जिया

3 जून 2013 को 25 साल की जिया खान जुहू, मुंबई स्थित अपने घर के बेडरूम में सीलिंग फेन से लटकी मिली थीं। घटना के 4 दिन बाद जिया की बहन को उनका हाथ से लिखा हुआ एक नोट मिला था, जिसमें उन्होंने सूरज पंचोली के साथ अपने बिगड़ते रिश्ते के बारे में लिखा था। फिर जिया की मां ने सूरज पंचोली पर अपनी बेटी की हत्या का आरोप लगाया।

सूरज ने जेल में बिताए 20 से ज्यादा दिन

10 जून को सूरज पंचोली अरेस्ट हुए और 2 जुलाई 2013 को उन्हें जमानत मिल गई। करीब एक साल बाद जुलाई 2014 में मामला उइके पास पहुंचा। 2016 में सीबीआई ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चार्जशीट फाइल की और हत्या की आशंका से इनकार करते हुए इसे खुदकुशी ही करार दिया।

मौत के 5 साल बाद दोबारा खुला था मामला

जिया की मौत के 5 साल बाद जनवरी 2018 में मुंबई के सेशन कोर्ट ने सूरज पंचोली पर एक्ट्रेस को खुदकुशी के लिए उकसाने का आरोप तय किया और धारा 306 के तहत ट्रायल चलाने का आदेश दिया। हालांकि, बाद में जब सूरज के वकील ने सफाई दी कि मामले में एक्टर का कोई हाथ नहीं है और इसके चलते उनका काफी समय बर्बाद हो चुका है तो सीबीआई के स्पेशल कोर्ट ने उनके खिलाफ जांच रोकने के आदेश दिए थे।

सपना चौधरी ने यूट्यूब पर अपना चैनल लॉन्च किया

देसी क्वीन कहीं जाने वाली सपना चौधरी के फैन्स के लिए एक अच्छी खबर हैं। सपना चौधरी ने यूट्यूब पर अपना चैनल लॉन्च किया है। इस चैनल पर वह अपने गानों को अपलोड किया करेंगी। इसकी शुरूआत 20 जनवरी को लॉन्च होने वाले गाने लोरी से हो रही है। इस गाने के बारे में बताते हुए सपना चौधरी ने कहा कि यह मेरा अपना ही कॉन्सेप्ट था और खुद मैंने ही इसे साकार करने का काम किया है। सपना चौधरी ने गाने के बैकग्राउंड को लेकर कहा कि अपने बच्चे को हर मां पूरी दुनिया के मुकाबले 9 महीने ज्यादा जानती हैं। कई लोग हरियाणा के ठेकेदार हैं, जो कहते हैं कि मैं हरियाणा के लिए कुछ नहीं करती। लेकिन ऐसा नहीं है, मैंने हरिाणा के लिए भी काफी गाने बनाए हैं। हम अपना चैनल लेकर आ रहे हैं। इस चैनल का नाम है, ड्रीम्स एंटरटेनमेंट हरियाणवी। इस चैनल पर सपना चौधरी का पहला गीत लोरी लॉन्च होने वाला है। लोरी गाने को लेकर सपना चौधरी ने कहा कि यह मेरा ही कॉन्सेप्ट था, जिसे मैंने साकार किया है। सपना चौधरी ने कहा कि इसे तमाम कंपनियों ने खारिज किया था। इसके बाद मैंने खुद से ही इसे तैयार किया है। मैं हर महीने कुछ ऐसी प्रजेंटेशन देना चाहूंगी कि वह किसी न किसी चीज से कनेक्ट हो। इस गाने में हमने मां और बेटे का कनेक्शन दिखाया है। एक फैन की ओर से बेटे का नाम पूछे जाने पर सपना चौधरी ने कहा कि अभी नहीं बताऊंगी। बेटे का नाम बेहद यूनिक है। समय आने पर मैं ढंग से बताऊंगी। उन्होंने कहा कि एक चैनल और लॉन्च किया गया है, देसी क्वीन सपना चौधरी। इसमें दर्शकों को सपना चौधरी की डांस परफॉर्मेंस देखने को मिलेंगी। बता दें कि सपना चौधरी अक्टूबर में मां बनी हैं और उसके बाद एक बार फिर से हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री में धमाल मचा रही हैं। मां बनने के बाद से उनके अब तक तीन गाने आ चुके हैं और लोरी चौथा सॉन्ग होगा

फिल्म पॉवर रिलीज के लिये तैयार

अभिनेता विद्युत जामवाल और श्रुति हसन स्टारर फिल्म पॉवर रिलीज के लिए तैयार हो गई है। फिल्म पॉवर को 14 जनवरी को डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज किया जाएगा। पॉवर एक थ्रिलर फिल्म है, जो नब्बे के दशक पर सेट है। इस फिल्म की कहानी दो प्रेमियों की यात्रा को दर्शाती है, जो एक पारिवारिक झगड़े में फंस जाते हैं। फिल्म उनके प्यार और सही या गलत के लिए उनकी लड़ाई की पड़ताल करती है। शक्ति महेश वी मांजरेकर द्वारा निर्देशित फिल्म जी एंटरटेनमेंट के पे-पर-व्यू प्लेटफॉर्म जीप्लेक्स पर रिलीज होगी। फिल्म के बारे में जीप्लेक्स के सीईओ शरीक पटेल ने कहा कि पॉवर एक बहुत ही मनोरंजक फिल्म है और हमारे दर्शकों को इसमें काफी अच्छा कंटेंट मिलेगा। हमें यकीन है कि जीप्लेक्स एक्सक्लूसिव पर पॉवर दर्शकों को पसंद आएगी।

मीका सिंह ने पानी के ब्रांड का किया अनावरण

गायक मीका सिंह ने अपने पानी के ब्रांड का अनावरण किया है। उन्होंने केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों को हजारों पानी की बोतलें भेजी हैं। साथ ही उन्होंने अपने प्रशंसकों से किसानों की मदद करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि किसान सिर्फ अपने अधिकारों के लिए विरोध नहीं कर रहे हैं। यह देश के लिए है। अगर किसानों की देखभाल नहीं की जाती है, तो पूरी खाद्य सीरीज गड़बड़ा जाती है। किसानों, विशेषकर पंजाब के लोगों ने वास्तव में बहादुरी दिखाई है। मीका ने कहा कि हम अपने तरीके से जो कुछ भी कर सकते हैं वह कर रहे हैं। मैं किसानों के साथ हूं और मुझे उम्मीद है कि चीजें जल्द ही हल हो जाएंगी और हम एक निष्कर्ष पर पहुंचेंगे। ठंड में किसानों के मरने और वहां का नजारा असहनीय है। मैं हर किसी से आगे आने और उनका समर्थन करने का अनुरोध करता हूं।

घरेलू हिंसा से निपटती नजर आएंगी निमरत कौर

बॉलीवुड अभिनेत्री निमरत कौर अहलूवालिया जल्द ही टेलीविजन शो छोटी सरदारनी के अगले एपिसोड में घरेलू हिंसा से निपटती नजर आएंगी। इस शो में अभिनेत्री रील रोल निभा रही हैं। उनका कहा कि घरेलू हिंसा एक गंभीर मुद्दा है जिसका सामना आज भी महिलाएं करती हैं। निमरत ने कहा कि घरेलू हिंसा एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है, जिसका सामना आज भी महिलाएं करती हैं। बतौर एक वकील के रूप मे मैं उन महिलाओं से मिली हूं, जो घरेलू हिंसा की शिकार हैं। मैं इस बात पर गर्व करती हूं कि हमारा शो इतने महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे को उजागर कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे आशा है कि यह आरती जैसे कई अन्य पीड़ितों को आगे आने और हैशटैग रिस्पेक्ट मैटर्स का स्टैंड लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

केजीएफ 2 का टीजर देख फैंस हुए खुश

होमबेल फिल्म्स, एए फिल्म्स और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 का टीजर रिलीज कर दिया है। 7 जनवरी को सुपरस्टार यश का जन्मदिन के मौके पर रात के करीब साढ़े नौ बजे होमबेल फिल्म्स के यूट्यूब चैनल पर इसके टीजर को जारी किया गया है। फिल्म के टीजर को जारी करते हुए लिखा गया कि आप सभी के लिए एक सरप्राइज। हैशटैगकेजीएफ का टीजर रात के 9.29 बजे जारी हो रहा है आउट। टीजर के रिलीज से फैंस का काफी खुश हैं। बता दें कि एक्सेल एंटरटेनमेंट और एए फिल्म्स को इस साल सिनेमाघरों में महत्वाकांक्षी परियोजना केजीएफ चैप्टर 2 को हिंदी में प्रस्तुत करने की बेहद खुशी है। हालांकि, फिल्म केजीएफ भी भारतीय सिनेमा का गौरव रहा है और आगे भी रहेगा।

न्यूज. ब्रीफ

खदान फंसे 22 श्रमिकों को निकालने में जुटे बचाव दल के लोग

बीजिंग। चीन के पूर्वी हिस्से में दो दिन पहले आंशिक रूप से निर्मित सोने की खदान में हुए विस्फोट के कारण फंसे 22 श्रमिकों को निकालने के लिए बचाव दल प्रयासरत रहा। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, फंसे हुए मजदूरों को निकालने के लिए बचाव दल के करीब 300 कर्मचारी बाधाओं को दूर करने में लगे हुए हैं। हालांकि, श्रमिकों के बारे में कोई सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं है। पूर्वी प्रांत के शानडोंग स्थित निर्माणाधीन खदान में हुए धमाके के कारणों की घोषणा नहीं की गई है। खदान के प्रबंधकों ने स्थानीय प्रशासन को धमाके के संबंध में जानकारी नहीं दी थी। चीन के खनन उद्योग में सबसे अधिक ध्यान कोयले पर दिया जाता है और खदानों में विस्फोट, बाढ़ और गैस लीक होने जैसे कारणों से हर साल करीब 5,000 लोग जान गंवा देते हैं।

बच्चों को हुये स्वेटर वितरण

मऊरानीपुर (झाँसी) सर्व शिक्षा अभियान के तहत प्राथमिक विधालय कटरा, अल्याई नगर क्षेत्र में बच्चों को स्वेटर का वितरण किया गया। जिसकी मुख्य अतिथि तारा देवी पार्षद रही। जिनके द्वारा माँ सरस्वती व स्वामी विवेकानन्द जी की जयन्ती के अवसर पर उन्हें भी माल्यार्पण किया गया । सर्दी के मौसम में बच्चों ने स्वेटर प्राप्त कर काफी खुशी का अनुभव किया। वही अभिभावकों के चेहरों पर भी मुस्कराहट देखने को मिली। जो सर्दी की लहर में अपने बच्चों को स्वेटर नही दिला पा रहे थे। उनके बच्चों को निः शुल्क स्वेटर का वितरण किया गया । इस मौके पर लक्ष्मी श्रीवास, , मीरा, जशोदा, भगवती, आमना, गोबिन्द, कुरैशा, मूलचन्द्र आदि उपस्थित रहे।

दो व्यक्तियों ने किया जहर का सेवन

मऊरानीपुर (झाँसी) अज्ञात कारणों के चलते अलग-अलग स्थानों से दो व्यक्तियों ने जहर का सेवन कर लिया। प्राप्त विवरण में जाहिदा पत्नी शहीद खान निवासी गाँधीगंज ,राजेश कुमार (35) पुत्र ग्यासी प्रसाद निवासी देवरी सिंहपुरा, रानीपुर को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। दोनों की हालत में सुधार न होने पर झाँसी रिफर कर दिया गया।

जन अधिकार पार्टी का कार्यक्रम 17 को

मऊरानीपुर (झाँसी) जन अधिकार पार्टी के तत्वाधान में कोरोना जाग्रति अभियान एवं कार्यकर्त्ता सम्मेलन 17 जनवरी 2021 रविवार को अपरान्ह 11 बजे माँ भद्रकाली मन्दिर के पास ग्राम भदरवारा में किया जायेगा। जिसके मुख्य अतिथि कृष्ण नारायण कुशवाहा बुन्देलखण्ड प्रभारी, आर. डी. फौजी जिला अध्यक्ष, मधु कुशवाहा जिला अध्यक्ष महिला सभा, दीनदयाल निषाद जिला प्रभारी निषाद समाज रहेगें। यह उक्त जानकारी कैलाश नारायण कुशवाहा ब्लॉक अध्यक्ष व रामदास कुशवाहा (टिकरी वाले) नगर अध्यक्ष मऊरानीपुर ने दी।

भारत के खिलाफ चीन की नई साजिश का बड़ा खुलासा

सैटेलाईट से ड्रैगन की खुली पोल, तिब्बत में बना रहा हवाई अड्डा, रेल टर्मिनल और मिसाइल साइट

बीजिंग ■ एजेंसी

ड्रैगन की मंसूबे ठीक नहीं लग रहे हैं भारत के खिलाफ चीन की नई साजिश का बड़ा खुलासा हुआ है। नई सैटेलाईट तस्वीरों से पता चला है कि चीन तिब्बत के सिगाटसी में एक प्रमुख सैन्य लॉजिस्टिक्स हब के रूप में काम कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ अपनी सभी गतिविधियों को चलाने के लिए कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की चीन की एक चाल है। यह चित्र सोमवार को ट्विटर पर डेट्रासेफा नाम का इस्तेमाल करने वाले ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस विश्लेषक ने शेयर किया है।

यह चित्र दर्शाता है कि सिगाटसी हवाई अड्डे के दक्षिण में एक बुनियादी ढांचा खड़ा किया जा रहा है जो इसे एक रेल टर्मिनल से जोड़ता है। इस इमेज से साफ पता चल रहा है कि यह ढांचा उस लॉजिस्टिक हब का हिस्सा है जो चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के लिए खड़ा किया जा रहा है। इस सैटेलाईट इमेज में निमार्णाधीन ढांचे में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल साइट, एक संदिग्ध सैन्य सहायता इमारत, एक नया रेलवे टर्मिनल और नई रेलवे लाइन और एक संभावित फ्यूल डंप हैं। इस इमेज में एक नई विकसित भूमिगत सुविधा भी दिख रही है। अभी की सैटेलाईट इमेज में दिख रही यह भूमिगत सुविधा पहले ली गई इमेज में दो सुरग के द्वार जैसे दिख रहे थे। उनके अनुसार यह भूमिगत सुविधा शायद वह जगह हो जहां मिसाइल सिस्टम को स्टोर किया गया हो। फिलहाल भारतीय अधिकारियों ने इस विषय पर कोई टिप्पणी नहीं दी है। सिगाटसी का रेलवे स्टेशन इस क्षेत्र का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है और यह सैनिकों और सैन्य हार्डवेयर की आवाजाही में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चीन की योजना है कि वह सिगाटसी के माध्यम से नेपाल की सीमा तक अपनी ताकत का विस्तार करे। फोर्स एनालिसिस में कार्यरत सुरक्षा विश्लेषक सिम टैक ने बताया कि सैटेलाईट इमेज के रूप में इस बात के बहुत सारे सबूत है कि तिब्बत के स्वायत्त क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चीन की रसद सुविधाएं और कनेक्टिविटी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सैटेलाइट इमेजरी में अक्साई चिन से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक एलएसी (एलएसी) पर सैन्य अभियानों का समर्थन करने के लिए इस बुनियादी ढांचे को अपग्रेड किया जा रहा है या बनाया जा रहा है। सुरक्षा विश्लेषक सिम टैक के अनुसार चीन का इस ढांचे में रेल कनेक्टिविटी और उपयोगिताओं के निर्माण का उद्देश्य तिब्बत और चीन के अन्य हिस्सों से तिब्बत में बड़ी संख्या में सेना को जल्दी से भेजने का है। हाल ही की सैटेलाइट इमेजरी से यह भी पता चला है कि चीन भारत और भूटान के साथ विवादित सीमाओं के साथ-साथ विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश के निर्जन हिस्सों में गांवों की स्थापना कर रहा है।

लाहौर के कैफे में सैंडविच के अंदर निकला मरा चूहा

लाहौर ■ एजेंसी

लाहौर के शवर्मा रेस्त्रा में खाना खाने पहुंचे परिवार के उस समय होश उड़ गए जब उन्हें सर्व की गई सैंडविच के अंदर एक मरा हुआ चूहा दिखाई दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सालेह सलीम ने फेसबुक पर पोस्ट किया, जिसे अब तक 3 हजार से ज्यादा बार शेयर किया जा चुका है।

सलीम ने बताया कि उनका 10 साल का भतीजा इस सैंडविच को खाने ही वाला था कि उसके अंदर मरा हुआ चूहा दिख गया। उन्होंने कहा रेस्त्रां वाले लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। इस घटना की जानकारी सामने आने के बाद सलीम ने बताया कि लाहौर पुलिस ने रेस्त्रा को सील कर दिया है। वीडियो में नजर आ रहा है कि सालेह की मां ने रेस्त्रा के वेटर को जमकर खरी-खोटी सुनाई। चूहा मिलने से भड़कीं सालेह की मां ने कहा, क्या तुम हमें इंसान समझते हो या नहीं क्या तुम मुसलमान हो या नहीं कौर इस रेस्त्रां का मैनेजर या मालिक है। इस वीडियो की सत्यता पर जब कई लोगों ने सवाल उठाए तो सालेह ने कई और वीडियो पोस्ट किए। उन्होंने कहा यह घटना 110 फीसदी सही है। इसे सभी को देखने की जरूरत है। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोग अपने मित्रों को टैग कर रहे हैं और उनसे बाहर खाने से बचने को कह रहे हैं।

बंदरों के आतंक से भटपुरा के किसान परेशान

मऊरानीपुर (झाँसी) तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत भटपुरा में बंदरों के आतंक से किसान अपने खेतों की रखवाली दिन रात कर रहे है। ग्राम भटपुरा में बंदरों की संख्या दिन प्रतिदिन बढती जा रही है। रेलवे पटरी के किनारे लगे हुये खेत की फसलों की रखवाली किसानों को मुसीबत बनी हुयी है। खेतों में सब्जी , आलू, टमाटर भिन्डी, मिर्च , पालक आदि सब्जियों को नुकसान पहुँचा रहे है। गाँव में सब्जी की खेती नही कर पा रहे है। किसान रात भर जानवरों से परेशान रहते है। और दिन में बंदरों से परेशान होते है। रेल पटरी के किनारे से खडी हुयी फसल मटर, चना, गेहूँ, सरसों आदि छोटी फसलों को बंदर उनको जड से उखाड देते है। और उनको खा जाते है। गाँव वालों ने वन विभाग से बंदरों को पकडवाने की माँग की। वही शिवचरन निवासी भटपुरा ने बताया कि उनकी 7 बीघा में गेहूँ की फसल बोई गयी थी। आधे से ज्यादा फसल को बंदरों ने बर्बाद कर दी। हरिश्चन्द्र निवासी भटपुरा ने बताया कि बंदरों को अपने खेत से बाहर निकलने से है। तो वह काटने को दौडते है। हमें डंडे से उनको अपने खेत से निकालना पडता है। हमने अपेन खेत में मटर को जब बोई थी। जब से अब तक दिन रात अपने खेत पर रहते है। तेजराम कुशवाहा निवासी भटपुरा ने बताया कि रेल

की पटरी से हमारा खेत लगा है। हम अपने खेत से बाहर निकलते है तो वह रेल पटरी पर बैठ जाते है। थोडे ही हमने पीछा किया तो वह तुरन्त हमारे खेत में आ जाते है। मनोज कुमार निवासी भटपुरा ने बताया कि बंदर का आतंक इतना बढ गया है। कि बच्चों का खेतों में जाना मुश्किल हो गया है। अगर बच्चे खेतों की तरफ जाते है। तो उनको वह काट लेते है। इस प्रकार की गम्भीर समस्या को लेकर वन विभाग का ध्यान आकृष्ट कराया गया।

तुर्की में 1000 प्रेमिकाओं वाले पंथ के नेता अदनान ओकतार को 1075 साल की सजा

- अदनान के घर से 69 हजार गर्भनिरोधक गोलियां मिली

इस्तांबुल ■ एजेंसी

तुर्की के मुस्लिमों के एक पंथ के नेता अदनान ओकतार को इस्तांबुल की अदालत ने 10 अलग-अलग अपराधों में 1075 साल की सजा सुनाई है। अदनान एक पंथ का प्रमुख हैं, अभियोजन पक्ष उसके संगठन को आपराधिक मानता है।

वर्ष 2018 में देशभर में मारे गए छापे में ओकतार के दर्जनों मानने वाले अरेस्ट किए गए थे। अदनान ओकतार लोगों को कट्टरपंथी मत के बारे में उपदेश देता था जबकि महिलाओं को वह 'बिल्लियां' बुलाता था। अदनान टीवी शो में इन महिलाओं के साथ डांस भी करता था जो प्लास्टिक सर्जरी कराई हुई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक अदनान पर यौन अपराध, नाबालिगों के यौन शोषण, धोखाधड़ी और राजनीतिक तथा सैन्य जासूसी

करने का आरोप लगाया गया है। करीब 236 लोगों के खिलाफ मामला चलाकर 78 लोग अरेस्ट किए गए हैं। सुनवाई के दौरान अदनान के बारे में कई राज और खौफनाक यौन अपराधों का खुलासा हुआ। अदनान ने दिसंबर में सुनवाई के दौरान जज को बताया था कि उसकी करीब 1000 गर्लफ्रेंड हैं।महिलाओं के प्रति मेरे दिल में प्यार उमड़ रहा है। प्यार इंसान की खासियत है। यह एक मुसलमान की खूबी है। एक अन्य सवाल पर अदनान ने कहा था, मैं बाप बनने की असाधारण क्षमता रखता हूं। अदनान सबसे पहले वर्ष 1990 के दशक में दुनिया के सामने आया था। उस समय वह उस पंथ का नेता था जो कई बार सेक्स स्कैंडल में फंस चुका था। उसके टीवी चैनल ने वर्ष 2011 में ऑनलाइन प्रसारण शुरू किया था जिसकी तुर्की के धार्मिक नेताओं ने कड़ी निंदा की थी। एक महिला ने सुनवाई के दौरान बताया कि अदनान ने कई बार उसका और अन्य महिलाओं के साथ यौन शोषण किया। कई महिलाओं के साथ जबरन रेप कर उन्हें गर्भनिरोधक दवाओं को खाने के लिए मजबूर किया गया। अदनान के घर से 69 हजार गर्भनिरोधक गोलियां मिली थीं।

शीतलपुर, जैथरा, मारहरा विकासखण्ड क्षेत्रों में कृषि मेला एवं प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

एटा। किसान कल्याण मिशन के तहत किसान भाइयों की आय दुगनी करने के उद्देश्य से विकासखंड शीतलपुर क्षेत्र के अन्तर्गत राजकीय इण्टर कॉलेज मैंदान, मारहरा विकासखण्ड परिसर, जैथरा विकासखण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत महात्मा गांधी इण्टर कॉलेज परिसर में विराट किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। डीएम सुखलाल भारती, एसएसपी सुनील कुमार सिंह, सीडीओ अजय प्रकाश ने राजकीय इण्टर कॉलेज मैंदान में आयोजित कृषि मेला एवं प्रदर्शनी का मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। उन्होंने इस दौरान किसाना भाईयों को जागरूक करने के उद्देश्य से लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया। डीएम, एसएसपी ने मेले को संबोधित करते हुए कहा

कि केन्द्र सरकार द्वारा आगामी 2022 तक प्रत्येक गरीब व्यक्ति को घर देने का संकल्प लिया गया है, इसी क्रम में जनपद के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले गरीब व्यक्तियों का चिन्हांकन कर उन्हें आवास प्लस सूची में सम्मिलित किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत चुनाव शीघ्र होने हैं, इस हेतु किसी भी प्रकार का माहौल खराब करने वालों पर प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। सीडीओ अजय प्रकाश ने कहा कि मनरेगा द्वारा किसान भाईयों के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित हैं, किसानों को उन योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। कृषि मेला एवं प्रदर्शनी में 21 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए गए। इसके अलावा 06 लाभार्थियों को केसीसी, 06 लाभार्थियों को वृद्धा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 383 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, 06 लाभार्थियों को बकरी शेड आदि से लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर डीडीओ एसएन सिंह कुशवाह, सीवीओ एसपी सिंह, सीडीपीओ एसपी पाण्डेय सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारीगण, कर्मचारीगण, भारी संख्या में किसान भाई आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस महासचिव का मनाया गया धूमधाम से जन्मदिन

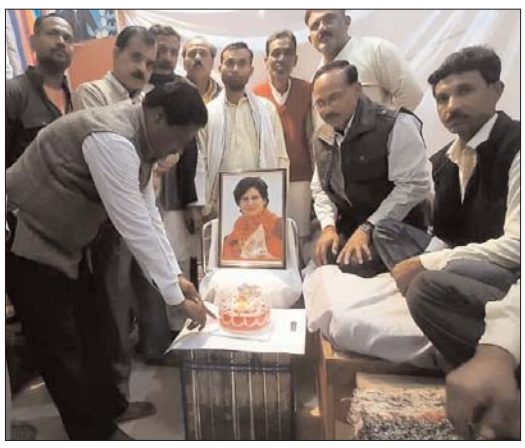

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर काँग्रेस कमेटी के द्वारा नगर मऊरानीपुर में काँग्रेस महासचिव एवं उत्तर प्रदेश की प्रभारी श्रीमती प्रियंका गाँधी वाड्रा का जन्मदिन धूमधाम के साथ केक काटकर मनाया गया। जिसमें काँग्रेसियों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर काँग्रेसियों ने एक दूसरे को केक खिलाकर जोरदार जश्न मनाया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष भगवान दास कोरी, सुरेश नगाइच, सुनील दुबे, राजीव जैन, हनीफ मलिक, दीनदयाल गुप्ता, विवेक जैन, अमित डेंगरे, शहीद खान, किशोरी लाल ठगेले आदि काँग्रेस जन उपस्थित रहे।

कांग्रेस कमेटी ने विधुत माँग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मऊरानीपुर (झाँसी) जिला काँग्रेस कमेटी ,झाँसी के जिलाध्यक्ष भगवान दास कोरी के नेतृत्व में एक ज्ञापन

उपजिलाधिकारी मऊरानीपुर को सौपा गया। जिसमें बताया गया कि मऊरानीपुर उपखण्ड के ग्राम पंचायत पडरा, बडी लोड कर खिरक की डीपी कई महीने से खराब है। जिससे विधुत आपूर्ति मिलने से किसानों की फसलें सूख रही है। डीपी खराब होने की उपभोक्ता किसानों द्वारा कई बार शिकायत विधुत विभाग के एसडीओ व जेई से की गयी। लेकिन खराब डीपी नही बदली गयी। जैसा कि सभी को विदित ही है कि यह सिंचाई का समय है। शासन प्रशासन किसान को सिंचाई हेतु नियमित विधुतापूर्ति कराने की बात कह रहा है। लेकिन मऊरानीपुर विधानसभा क्षेत्र में उल्टा हो रहा है। सिंचाई के पीक समय में ग्रामीण क्षेत्र की बिजली काटी जा रही है। कि जो किसानों के साथ बहुत बडा अन्याय है। वही कहा गया कि ग्राम पडरा की खराब पडी डीपी को तत्काल बदलवाया एवं 25 केवी की जगह 63 केवी की डीपी लगवायी जाये एवं सिंचाई हेतु ग्रामीण क्षेत्र में 20 घण्टे की विधुतापूर्ति सूनिश्चित की जाये। अन्यथा काँग्रेस पार्टी किसानों के हित में आन्दोलन करने को विवश होगी। जिसकी जिम्मेदारी विभाग की होगी। इस मौके पर राजीव अग्रवाल, सुरेश नगाइच, अशोक गुप्ता, हनीफ मलिक, विवेक जैन, शहीद खाँ, अमित डेगरें, घनश्याम दास कुशवाहा, रामप्रसाद कुशवाहा, दुर्गाप्रसाद आदि लोगों के ज्ञापन में हस्ताक्षर थे। फोटो- समापन कर्त्ताओं के द्वारा विजेता व उपविजेता टीम को शील्ड प्रदान करने की।

क्रिकेट टूर्नामेन्ट का हुआ समापन, फाइनल मैच में बसरिया टीम बनी विजेता

मऊरानीपुर (झाँसी) तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्राम पुरानी बसरिया में चल रहा क्रिकेट टूर्नामेन्ट का समापन किया गया। जिसमें 14 दिन तक टूर्नामेन्ट का आयोजन हुआ। समापन कर्ता के रुप में प्रतिपाल सिंह, डॉ. रमेश श्रीवास, राजेन्द्र सिंह चौहान, अजय श्रीवास आदि लोगों ने कार्यक्रम का समापन कराया। जिसमें समापन कर्ताओं का फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। इसी के चलते टूर्नामेन्ट समिति के लोगों द्वारा अतिथियों के कर कमलों से विजेता एंव उपविजेता टीम को शील्ट व उपहार राशि भेंट किया गया। जिसमें अन्तिम फाइनल मैच बसरिया और मऊरानीपुर के बीच खेला गया। जिसमें निर्धारित 20 ओवरों में बसरिया की टीम ने 244 रन बनाये तो वही मुकाबला कर रही मऊरानीपुर टीम मात्र 11 ओवर में 90 रनों पर सिमट गयी। जिसके चलते विजेता बसरिया टीम के कप्तान आलोक कुमार एवं उनकी टीम को अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर अंकित पटेल, सचिन पटेल, सुरेन्द्र पटेल, अरविन्द्र पटेल, राघवेन्द्र पटेल, ईश्वर पटेल आदि लोगों के साथ सैकडों की सख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर मऊरानीपुर के सरस्वती विधा मन्दिर इण्टर कॉलेज में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती बडे हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। जिसके अतिथिगणों में सुनील जी संगठन मंत्री व अखिलेश सेठ रहे। जिनके द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीपप्रज्जवलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। कार्यक्रम की श्रृंखला में बच्चों ने साँस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इसी के चलते विवेकानन्द जी के बारे में अतिथियों के द्वारा बताया गया साथ ही बच्चों को उनके मार्ग पर चलने के लिये अग्रसर किया। वही अन्य क्रृताओं ने भी अपने क्रृतव्व से उनके जीवन पर गहरा प्रकाश डाला गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य जितेन्द्र कुमार पाण्डेय, राधिका श्रीवास्तव, नित्या अग्रवाल, अर्पणा सोनी, मंजू तिवारी, नीलम साहू, कीर्ति गुप्ता, प्रिंसी राजपूत आदि सैकडों लोग उपस्थित रहे।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग:कोहली को पछाड़कर दूसरे नंबर पर पहुंचे स्मिथ

दुबई ■ एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने मंगलवार को टेस्ट रैंकिंग जारी की। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ भारतीय कप्तान विराट कोहली को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, कोहली तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। टॉप-10 बल्लेबाजों में भारत के 3 बल्लेबाज शामिल हैं। जबकि, टीम इंडिया के 2 बॉलर्स टॉप-10 गेंदबाजों की लिस्ट में हैं। आईसीसी ने यह लिस्ट भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट के बाद निकाली। स्मिथ ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 3 मैच में 44.40 की औसत से 222 रन बनाए हैं। सिडनी टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 131 और दूसरी पारी में 81 रन बनाए थे। इसके अलावा मार्नस लाबुशेन चौथे स्थान पर हैं। टेस्ट सीरीज में वे फिलहाल लीडिंग रन स्कोरर हैं। वहीं, भारत के चेतेश्वर पुजारा को भी दो स्थान का फायदा हुआ है। वे 10वें स्थान से 8वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पुजारा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अब तक तीन मैचों में 31.67 की औसत से 190 रन बनाए हैं।

कोहली के पैटरनिटी लीव पर जाने से रैंकिंग में गिरावट

भारतीय कप्तान विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में खेले गए पहले टेस्ट के बाद वापस लौट आए थे। इसका नुकसान उन्हें रैंकिंग में उठाना पड़ा। वे 870 पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा ने सोमवार को बच्ची को जन्म दिया। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन 919 अंकों के साथ पहले स्थान पर बरकरार हैं। विलियम्सन ने हाल ही पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में 238 रन की पारी खेली थी। उसके बाद उन्होंने टॉप रैंक हासिल की थी।

रविंद्र जडेजा दूसरे नंबर पर पहुंचे

ऑलराउंडर्स की लिस्ट में इंग्लैंड के बेन स्टोक्स पहले स्थान पर हैं। वहीं, भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। जडेजा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 टेस्ट में 15 की औसत से 7 विकेट लिए हैं। जबकि, बल्लेबाजी में उन्होंने दो टेस्ट में 85 की औसत से 85 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर तीसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी रैंकिंग में न्यूजीलैंड टॉप पर

टीमों की रैंकिंग में न्यूजीलैंड की टीम टॉप पर है। उन्होंने हाल ही में वेस्टइंडीज और पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में व्हाइट वॉश किया था। ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरे और भारत तीसरे नंबर पर है।

पंत की रैंकिंग में 7 स्थानों का सुधार

ऋषभ पंत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरी पारी में 97 रन बनाए थे। इसका उन्हें फायदा हुआ। वे 26 से 19वें स्थान पर पहुंच गए है। इसके अलावा हनुमा विहारी (52वें रैंक), आर अश्विन (89वें रैंक) की भी बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार हुआ है। इन दोनों ने साढ़े तीन घंटे बल्लेबाजी कर भारत को मैच ड्रॉ कराने में मदद की थी।

अश्विन को गेंदबाजी में 2 स्थान का नुकसान

गेंदबाजों की रैंकिंग में रविचंद्रन अश्विन को 2 स्थान का नुकसान हुआ है। वे 7वें से 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि जसप्रीत बुमराह एक स्थान के नुकसान के साथ 9वें से 10वें स्थान परपहुंच गए हैं। इसके अलावा टॉप-10 में कोई भी बॉलर नही है। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस पहले, इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड दूसरे और न्यूजीलैंड के नील वैगनर तीसरे स्थान पर मौजूद हैं।

टॉप- 10 बैट्समैन

रैंक	प्लेयर	देश	पॉइंट्स
1	केन विलियम्सन	न्यूजीलैंड	919
2	स्टीव स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया	900
3	विराट कोहली	भारत	870
4	मार्नस लाबुशेन	ऑस्ट्रेलिया	866
5	बाबर आजम	पाकिस्तान	781
6	बेन स्टोक्स	इंग्लैंड	760
7	अजिंक्य रहाणे	भारत	756
8	चेतेश्वर पुजारा	भारत	753
9	हेनरी निकोलस	न्यूजीलैंड	747
10	डेविड वॉर्नर	ऑस्ट्रेलिया	745

गेंदबाज

1	पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	908
2	स्टुअर्ट ब्रॉड	इंग्लैंड	845
2	नील वैगनर	न्यूजीलैंड	825
4	टिम साउदी	न्यूजीलैंड	811
5	जोश हेजलवुड	ऑस्ट्रेलिया	805
6	कागिसो रबाडा	साउथ अफ्रीका	786
7	जेम्स एंडरसन	इंग्लैंड	781
8	मिशेल स्टार्क	ऑस्ट्रेलिया	774
9	आर अश्विन	भारत	768
10	जसप्रीत बुमराह	इंग्लैंड	765

ऑलराउंडर्स

रैंक	प्लेयर	देश	पॉइंट्स
1	बेन स्टोक्स	इंग्लैंड	446
2	रविंद्र जडेजा	भारत	428
3	जेसन होल्डर	वेस्टइंडीज	423
4	शाकिब अल हसन	बांग्लादेश	366
5	केएल जेम्सन	न्यूजीलैंड	293
6	मिशेल स्टार्क	ऑस्ट्रेलिया	291
7	आर अश्विन	भारत	287
8	क्रिस वोक्स	इंग्लैंड	269
9	कॉलिन डी ग्रैंडहोम	न्यूजीलैंड	258
10	पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	250

रैंक	देश	रेटिंग
1	न्यूजीलैंड	118
2	ऑस्ट्रेलिया	116
3	भारत	114
4	इंग्लैंड	106
5	दक्षिण अफ्रीका	96
6	श्रीलंका	86
7	पाकिस्तान	82
8	वेस्टइंडीज	77
9	बांग्लादेश	55
10	अफगानिस्तान	55

न्यूज. ब्रीफ

ब्रिसबेन में टीम इंडिया मूलभूत सुविधायें भी नहीं, बीसीसीआई को देना पड़ा दखल

नयी दिल्ली। आस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे और आखिरी टेस्ट के लिये ब्रिसबेन पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम को मंगलवार को ऐसे होटल में ठहराया गया जिसमें मूलभूत सुविधायें भी नहीं थी और इसके बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों को दखल देना पड़ा । समझा जाता है कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली, सचिव जय शाह और सीईओ हेमांग अमीन ने शिकायतें मिलने के बाद क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अधिकारियों से संपर्क किया । उन्हें आश्वासन दिया गया है कि भारतीय टीम को वहां कोई परेशानी नहीं होगी । बोर्ड के एक सीनियर सूत्र ने बताया , होटल में रूम सर्विस या हाउसकीपिंग ही नही है । जिम भी अंतरराष्ट्रीय स्तर का नहीं है और स्वीमिंग पूल में नहीं जा सकते । उनसे चेक इन के समय इन सभी सुविधाओं का वादा किया गया था। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट 15 जनवरी से ब्रिसबेन में खेला जायेगा । वहां कोरोना महामारी के बढते मामलों और न्यू साउथ वेल्स के साथ सीमा पर लॉकडाउन के कारण होटल में पृथकवास के कड़े नियम हैं । यह पूछने पर कि क्या खिलाड़ियों को आपस में मिलने की अनुमति है, सूत्र ने कहा , हां उन्हें एक टीम रूम दिया गया है और होटल के भीतर वे एक दूसरे से मिल सकते हैं । यह पूछने पर कि क्या टीम ने होटल अधिकारियों के सामने विरोध जताया है, सूत्र ने कहा , जब मैनेजर को शिकायतों से अवगत कराया गया तो उसने कहा कि दोनों टीमों के लिये समान नियम है । सिर्फ एक टीम के लिये पृथकवास के कड़े नियम नहीं है। भारतीय टीम ने उम्मीद जताई कि गांगुली और शाह इस मसले का समाधान निकाल लेंगे ।

चौथे टेस्ट में मेजबानों को का पलड़ा भारी रहेगा : पोंटिंग

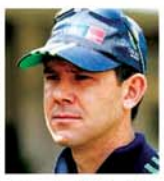

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अनुसार 15 जनवरी से ब्रिस्बेन में होने वाले चौथे और निर्णायक मैच में मेजबान टीम का पलड़ा भारी रहेगा। पोंटिंग के अनुसार भारतीय टीम के कई प्रमुख खिलाड़ी चोटिल हैं, इसके साथ ही गाबा का मैदान हमेशा ही मेजबान टीम के लिए भाग्यशाली रहा है। यहां ऑस्ट्रेलियाई टीम को हमेशा ही भारत पर जीत मिली है। पूर्व कप्तान के अनुसार ऑस्ट्रेलिया का गाबा पर अच्छा रिकार्ड रहा है और अगर युवा बल्लेबाज विल पुकोवस्की फिट होता है तो टीम में किसी बदलाव की जरुरत नहीं रहेगी। पुकोवस्की के नहीं खेल पाने पर भी एक ही बदलाव होगा। पोंटिंग ने कहा कि भारत के कई प्रमुख खिलाड़ी चोटिल है और ऐसे में उन्हें टीम में कुछ बदलाव करने होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलियाई टीम ने गाबा पर 33 मैच जीते, 13 ड्रॉ रहे जबकि आठ में उसे हार का सामना करना पड़ा है। पोंटिंग ने पुकोवस्की के बारे में कहा कि यह उसका पहला टेस्ट था पर अंतिम दिन वह मैदान पर उतर नहीं पाया । जिससे उसका ब्रिस्बेन में खेलना संभव नही लगता क्योंकि अगर वह खेलने की स्थिति में होता तो जरूर आता है।

शारजाह अंतराष्ट्रीय शतरंज होगा ऑनलाइन, भक्ति होंगी कप्तान

शारजाह । महिला अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूनार्मेंट के 11 वां संस्करण का इस बार ऑनलाइन आयोजित होगा। इसमें प्रतियोगिता मे 64 देशो की 501 महिला शतरंज खिलाड़ी इसमें भाग ले रही है । मेजबान यूएई के 67 खिलाड़ियों के बाद भारतीय दल 60 खिलाड़ी के साथ सबसे बड़ा दल होगा। भारतीय नेतृत्व की कमान होगी वर्तमान राष्ट्रीय विजेता भक्ति कुलकर्णी के पास उन्हे प्रतियोगिता मे 18वीं वरीयता दी गयी है। उनके अलावा 5 बार की राष्ट्रीय चैम्पियन पदमनी राऊत ,नंधिधा पीवी , वन्तिका अग्रवाल, स्वाति मोहता प्रमुख खिलाड़ी होंगी जिन पर नजर रहेगी। वैसे प्रतियोगिता की टॉप सीड होंगी वर्तमान विश्व ब्लिट्ज चैम्पियन रूस की लागनो काटेरयना जबकि रूस की ही अलिना काशलिन्सक्या को दूसरी तो जॉर्जिया की निनों बतसियाशविली को तीसरी वरीयता दी गयी है।

चौथे टेस्ट से पहले भारतीय टीम को फिर लगा झटका, चोट लगने से एक और बल्लेबाज हो सकता है बाहर

जडेजा, विहारी, बुमराह के बाद अब ओपनर मयंक अग्रवाल भी चोटिल

सिडनी ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई टीम इंडिया को 15 जनवरी से ब्रिस्बेन में चौथा और आखिरी टेस्ट खेलना है। इसके पहले प्लेइंग-11 को लेकर ही मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। ऑस्ट्रेलिया टूर पर अब तक 9 खिलाड़ी इंजर्ड हो चुके हैं। इनमें मोहम्मद शमी, उमेश यादव, लोकेश राहुल, हनुमा विहारी, रविंद्र जडेजा, ऋषभ पंत, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह और मयंक अग्रवाल शामिल हैं। इनमें से 6 खिलाड़ी सीरीज से बाहर हो चुके हैं। जसप्रीत बुमराह छठवें ऐसे खिलाड़ी हैं, जो इस दौरे पर चोटिल होने की वजह से बाहर हो गए। न्यूज एजेंसी के मुताबिक बुमराह को पेट के निचले हिस्से की मांसपेशियों (एब्डोमिनल स्ट्रेन) में खिंचाव है। उनके अलावा हनुमा विहारी, रविंद्र जडेजा, लोकेश राहुल, मोहम्मद शमी और उमेश यादव भी चोट की वजह से टीम से बाहर हो चुके हैं। चौथे टेस्ट में पंत बतौर बल्लेबाज खेल सकते हैं। ऐसे में ऋद्धिमान साहा विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र के हवाले से एजेंसी ने बताया कि स्कैन रिपोर्ट्स के मुताबिक बुमराह एब्डोमिनल स्ट्रेन से जूझ रहे हैं। भारतीय टीम नहीं चाहती कि उनकी चोट कोई गंभीर रूप ले। बीसीसीआई के मुताबिक वे इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी में शुरू हो रहे टेस्ट सीरीज से पहले आराम दिया जाएगा। बुमराह की जगह नटराजन टीम में शामिल किए जा सकते हैं। ऐसा हुआ तो वे अपने डेब्यू टेस्ट खेलेंगे। सोमवार को तीसरे टेस्ट के बाद विहारी को स्कैन कराने के लिए भी ले जाया गया। हालांकि, उनकी रिपोर्ट्स आनी बाकी है। बीसीसीआई ने कहा कि विहारी के हैमस्ट्रिंग में कितना खिंचाव है, यह बात तो रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। बीसीसीआई के सीनियर अधिकारी ने बताया कि विहारी 3 दिन बाद शुरू हो रहे चौथे टेस्ट तक फिट नहीं हो पाएंगे। उन्हें ग्रेड-1 इंजरी है। उन्हें रिकवर होने में कम से कम 4 हफ्ते लग जाएंगे। विहारी को फिलहाल रिहैब की जरूरत है।

मयंक अग्रवाल को प्रैक्टिस सेशन में लगी चोट

मयंक अग्रवाल को प्रैक्टिस सेशन के दौरान हाथ में चोट लग गई। इसके बाद उन्हें स्कैन के लिए ले जाया गया। सूत्रों के मुताबिक, उनके हाथ में हेयरलाइन फ्रैक्चर हो सकता है। स्कैन रिपोर्ट आनी अभी बाकी है। चोट गंभीर नहीं होने पर वह भी ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। चोट गंभीर नहीं होने पर उनके और साहा में से किसी एक को विहारी के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया जा सकता है।

बतौर बल्लेबाज खेल सकते हैं ऋषभ पंत

विकेटकीपर ऋषभ पंत भी कोहनी में लगी चोट से रिकवर हो रहे हैं। ऐसे में चौथे टेस्ट में उन्हें बतौर बल्लेबाज शामिल किया जा सकता है। इस स्थिति में साहा को विकेटकीपर के तौर पर टीम में खेलना तय है। वही, अगर पंत विकेटकीपिंग करते हैं, तो मयंक अग्रवाल को शामिल किया जा सकता है। हालांकि, यह फैसला मयंक की इंजरी रिपोर्ट आने के बाद ही लिया जाएगा। पूरी तरह फिट होने पर ही उन्हें टीम में शामिल किया जाएगा। इस स्थिति में रोहित शर्मा के टीम में वापस आने के कारण वे मिडिल ऑर्डर में खेलेंगे। चौथे टेस्ट में रोहित ही शुभमन के साथ ओपनिंग करते दिखेंगे। पृथ्वी शॉ के खराब फॉर्म की वजह से उन्हें टीम में शामिल किया जाना मुश्किल है।

जडेजा की जगह शार्दूल को मिल सकता है मौका

वहीं, अंगूठे में फ्रैक्चर झेल रहे जडेजा की जगह शार्दूल ठाकुर को टीम में शामिल किया जा सकता है। शार्दूल के पास फर्स्ट क्लास टेस्ट खेलने का एक्सपीरियंस है। साथ ही वे लोअर ऑर्डर में बैटिंग भी कर सकते हैं। ब्रिस्बेन का वाका मैदान उछाल वाला होता है। ऐसे में लोअर ऑर्डर में एक एक्स्ट्रा बल्लेबाज मददगार साबित हो सकता है। शार्दूल ने टीम इंडिया की तरफ से 1 टेस्ट, 12 वनडे, 17 टी-20 खेले हैं। इसके अलावा उन्होंने अब तक 62 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। इसमें उनके नाम 206 विकेट हैं। इसके अलावा उन्होंने 1232 रन भी बनाए हैं।

विहारी-पंत ने सिडनी टेस्ट में खेली अहम पारी

विहारी और पंत दोनों ने सोमवार को सिडनी में खत्म हुए तीसरे टेस्ट में अहम पारी खेली थी। 407 रन के टारगेट का पीछे करने उतरी भारतीय टीम ने रोहित, शुभमन और कप्तान अजिंक्य रहाणे का विकेट गंवा दिया था। इसके बाद पंत ने 118 बॉल पर 97 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 82.20 का रहा। उन्होंने चेतेश्वर पुजारा के साथ मिलकर टारगेट चेज करते हुए चौथे विकेट के लिए सबसे भारत की सबसे बड़ी साझेदारी कर डाली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 148 रन की पार्टनरशिप की।

जडेजा ने सिडनी में अंगूठे की सर्जरी कराई

जडेजा ने मंगलवार अपने बाएं अंगूठे की सर्जरी करवाई। उन्होंने खुद इसकी जानकारी दी। जडेजा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, कुछ समय के लिए क्रिकेट से दूर रहूंगा। जल्द ही वापसी करूंगा। बीसीसीआई के मुताबिक अब वे बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी को जॉइन करेंगे और रिहैब करेंगे। वे इंग्लैंड के खिलाफ पहला 2 टेस्ट नही खेलेंगे।

अब तक 9 प्लेयर्स इंजर्ड

मोहम्मद शमी, उमेश यादव और लोकेश राहुल पहले ही इंजरी के कारण सीरीज से बाहर हो चुके हैं। इस लिस्ट में अब बुमराह, जडेजा और विहारी भी शामिल हो गए हैं। मयंक, अश्विन और पंत भी चोटिल हैं। हालांकि उनकी चोट गंभीर नहीं है। रेगुलर कप्तान विराट कोहली पैटरनिटी लीव पर भारत लौट चुके हैं। ईशांत शर्मा भी चोट की वजह से ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर हुए थे।

पीवी सिंधु थाईलैंड ओपन से बाहर: 10 महीने बाद कोर्ट पर लौटीं पर पहले राउंड में मिली हार

बैंकॉक ■ एजेंसी

थाईलैंड ओपन के पहले दिन ही टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा। 10 महीने बाद कोर्ट पर लौटीं भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु पहले राउंड में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। वहीं, पुरुष सिंगल्स मुकाबले में बी साई प्रणीत को भी हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने इससे पहले अपना आखिरी मैच मार्च, 2020 में ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप में खेला था। छठी वरीयता प्राप्त सिंधु को वुमन्स सिंगल्स मुकाबले में वर्ल्ड नंबर-18 डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने 21-16, 24-26, 13-21 से हराया। यह मैच 74 मिनट तक चला। सिंधु की हार के साथ वुमन्स सिंगल्स में भारत की चुनौती समाप्त हो गई है। साइना सोमवार को कोरोना पॉजिटिव पाई गईं थीं। मंगलवार को उन्हें अपना नाम वापस लेना पड़ा था। सिंधु ने मैच के स्टार्ट में विपक्षी खिलाड़ी पर 6-3 की लीड ले ली थी। पहले गेम को 21-16 से अपने नाम करने के बाद। दूसरे गेम में भी सिंधु ने 11-8 की बढ़त ली थी। इसके बाद डेनमार्क की खिलाड़ी ने वापसी करते हुए गेम को 15-14 पर ला दिया और कुछ अच्छे शॉट्स लगाकर दूसरे गेम को 26-24 से अपने नाम कर लिया। तीसरे गेम को मिया ने आसानी से 21-13 से जीता। वहीं, मेन्स सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-13 बी साई प्रणीत को थाईलैंड के कंताफोन वांगचेरोन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। ओलिंपिक में टीम इंडिया से प्रबल दावेदार प्रणीत को वर्ल्ड नंबर-15 कांताफोन ने 21-16, 21-10 से हराया। वहीं, मिक्स्ड डबल्स में सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी ने इंडोनेशिया की हाफिज फैजल और ग्लोरिया विदजाजा की जोड़ी को 21-11, 27-29, 21-16 से हराया। साइना और एचएस प्रणय के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद किसी भी भारतीय प्लेयर को कोच, मैनेजर या किसी भी स्टाफ को कोर्ट में ले जाने की परमिशन नहीं दी गई है। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल कोरोना पॉजिटिव पाई गईं।

कोविड टेस्ट के बाद श्रीकांत की नाक से निकला खून

बैंकॉक ■ एजेंसी

कोविड-19 के कई परीक्षण के बाद विश्व के पूर्व नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत की नाक से खून बहने लगा तथा थाईलैंड ओपन के स्वास्थ्य अधिकारियों के गलत व्यवहार से नाराज इस भारतीय शटलर ने मंगलवार को कहा कि यह अस्वीकार्य है।

श्रीकांत के अलावा भारतीय दल में ओलंपिक रजत पदक विजेता पी वी सिंधु, सौरभ वर्मा, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी और अश्विनी पोनप्पा शामिल हैं। श्रीकांत ने ट्विटर पर लिखा है कि हम मैच के लिए अपना ध्यान रखते हैं और इसके लिये खून बहाने के लिये नहीं आये हैं। हालांकि यहां पहुंचने के बाद मेरे चार परीक्षण किये गये और मैं यह नहीं कह सकता कि इनमें किसी का भी अनुभव अच्छा रहा। यह अस्वीकार्य है। उन्होंने चौथी बार परीक्षण किए जाने के बाद अपने नाक से खून बहने की तस्वीर भी साझा की है। इस 27 वर्षीय खिलाड़ी को अपने अभियान की शुरूआत बुधवार को हमवतन वर्मा के खिलाफ करनी है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा कि एक चिकित्सक श्रीकांत का उपचार कर रहा है और उसे चिकित्सा संबंधी स्पष्टीकरण का इंतजार है।

प्रतिस्पर्धा — किराना दुकानों को सामान बी2बी डिलीवरी के लिए फुलफिलमेंट सेंटर्स में बदला जाएगा

जेफ बेजोस को टक्कर देने किराना स्टोर्स को फ्रेंचाइजी पार्टनर बनाएगी रिलायंस रीटेल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय रीटेल सेक्टर में बादशाहत की जंग में मुकेश अंबानी की रिलायंस रीटेल का मुकाबला मुख्य रूप से जेफ बेजोस की अमेजान से है।जंग में जीत के लिए रिलायंस रीटेल ने अहम रणनीति बनाई है। इसके तहत कंपनी अपने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जियोमार्ट पर पैकेज्ड फूड, ग्रॉसरी और एफएमसीजी सामान की डायरेक्ट बिक्री नहीं करेगी। इसके लिए कंपनी किराना स्टोर्स को फ्रेंचाइजी पार्टनर बनाएगी जो अपने आसपास के ग्राहकों को यह सामान बेचने वाले है। रिलायंस रीटेल की यह रणनीति बिग बास्केट, अमेजॉन और ग्रोफर्स जैसे बड़े ऑनलाइट ग्रॉसरी प्लेटफॉर्म्स से अलग है। रिलायंस रीटेल की योजना की जानकारी रखने वाले इंडस्ट्री के दो सीनियर अधिकारियों के मुताबिक किराना दुकानदार रिलायंस या दूसरी जगह से सामान खरीदा। अगर जियोमार्टपर ऑर्डर किया गया सामान दुकानदारों के पास नहीं है,तब रिलायंस रीटेल ये सामान सप्लाई करेगा और मुनाफा बराबर बांटा जाएगा। हालांकि रिलायंस अपने स्टोर्स या फुलफिलमेंट सेंटर्स से फल और सब्जी जैसी जल्दी खराब होने वाली चीजों की बिक्री जारी रखेगी।

रिलायंस ने साथ ही अपने बी2बी कैश एंड कैरी स्टोर फॉर्मेट रिलायंस मार्केट को भी बदलने का फैसला किया है। इन्हें किराना दुकानों को सामान बी2बी डिलीवरी के लिए फुलफिलमेंट सेंटर्स में बदला जाएगा। किराना दुकानें ऑनलाइन ऑर्डर देंगी और उनकी दुकान पर माल की सप्लाई होगी। जियोमार्ट ग्राहकों को दुकानदारों के जरिए डायरेक्ट सेल का पायलट प्रोजेक्ट जून तिमाही में 30 शहरों में शुरू करेगी। इसके लिए कंपनी 56,000 से अधिक किराना दुकानदारों को जोड़ चुकी है। सूत्रों के मुताबिक बाद में उन सभी जगहों इसका विस्तार होगा, जहां जियोमार्ट का कारोबार है।

सूत्रों के मुताबिक अप्रैल तक 100 शहरों में किराना दुकानदारों को जोड़ने का अभियान चल रहा है। रिलायंस से किराना दुकानों को सप्लाई पहुंचाने के लिए पायलट परियोजना पहले ही शुरू हो चुकी है। किराना दुकानदारों को जोड़ना लंबी प्रक्रिया है। अगले कुछ महीनों में जियोमार्ट के पास किराना दुकानों के जरिए बिक्री का एक हाइब्रिड मॉडल होगा। जिन इलाकों में कंपनी का दुकानदारों के साथ करार नहीं होगा, वहां फिलहाल रिलायंस रीटेल के स्टोर अपना काम जारी रखेगी। लेकिन रिलायंस जियोमार्ट के जरिए एफएमसीजी और ग्रॉसरी की डायरेक्ट बिक्री बंद कर देगी।

कोरोना संक्रमण और किसान आंदोलन की भेंट चढ़ा रेवड़ी-गजक और मूंगफली का कारोबार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

किसान आंदोलन और कोरोना संक्रमण की वजह से इस साल रेवड़ी, गज्जक और मूंगफली के कारोबार में भारी गिरावट आई है। इससे पहले के सालों में सर्दियों के मौसम में तिल की रेवड़ियां और मूंगफली-गुड़ की गजक की खुशबू बाजार में फैली रहती थी। गर्म तासीर होने की वजह से हर कोई रेवड़ियों और मूंगफली गजक का सेवन करना पसंद करता है। 13 जनवरी को लोहड़ी और 14 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर रेवड़ी, गज्जक और मूंगफली बांटी जाती है।

दिल्ली से लेकर हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में रेवड़ी, गजक और मूंगफली खाई जाती है। रेवड़ी और गजक के कारीगर खासतौर से भिंड, मुरैना और ग्वालियर से पूरे देश में जाते हैं। सुबह से रात तक भट्टी पर कड़ी मेहनत के बाद रेवड़ी और गजक तैयार होती है। इस साल कोरोना की वजह से रेवड़ी, गजक और मूंगफली का कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। दीपावली पर आधे कारीगरों को घर भेजना पड़ा। अब लोहड़ी और मकर संक्रांति पर सेल बढ़ने की उम्मीद थी, जिस पर किसान आंदोलन ने पानी फेर दिया।

दिल्ली के बॉर्डर पर बैठे किसानों की वजह से हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के थोक खरीदार नहीं आ पा रहे हैं। ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फ पड़ने के साथ ही रेवड़ी, गजक और मूंगफली की डिमांड बढ़ जाती है, लेकिन इस बार आवाजाही प्रभावित होने की वजह से ऑर्डर नहीं आ रहे हैं। यह सीजन अब धीरे-धीरे निकलता जा रहा है।

एक नजर...

आज 122 बस्तियों में होगा हनुमान चालीसा का पाठ श्रीराम मंदिर निर्माण धन संग्रह अभियान को सफल बनाने की जाएगी प्रार्थना

ग्वालियर। भगवान श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो एवं देश का प्रत्येक व्यक्ति उसमें सहभागी बने, इसके लिए पूरे भारत में मंदिर निधि समर्पण की शुरुआत होने जा रही है। निधि समर्पण हर परिवार से उनकी स्वेच्छा अनुसार लेकर मंदिर निर्माण में उपयोग किया जाएगा। ग्वालियर महानगर में इस महाभियान की शुरुआत 15 जनवरी से होगी और 14 फरवरी तक यह कार्य चलेगा। अभियान की पूर्व संध्या गुरुवार की शाम को महानगर की 122 बस्तियों में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा। निधि महाभियान को मूर्तरूप देने के लिए गठित महानगर समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी राजेन्द्र बांदिल ने बताया कि यह अभियान सफल हो और अधिक से अधिक राशि का समर्पण हो, इसकी प्रार्थना एक दिन पहले मंदिरों में की जाएगी। प्रत्येक बस्ती के मंदिरों में सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक भगवान से इस अभियान को सफल बनाने का आग्रह करेंगे। अगले दिन 15 जनवरी से इस महाभियान की महानगर में भव्य तरीके से शुरुआत होगी।

ऐंटी-माफिया अभियान के तहत जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

ग्वालियर। ऐंटी माफिया अभियान के तहत जिले में भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई जारी है। इस कडी में मंगलवार को कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देश पर गए राजस्व विभाग एवं पुलिस के संयुक्त दलों ने जिले में तीन स्थानों पर बडी कार्रवाई कर करीबन 11 करोड 45 लाख रूपये की बेशकीमती शासकीय जमीन से अतिक्रमण हटवाये। प्राप्त जानकारी के मुताबिक राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम जलालपुर के समीप 20 बीघा सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से लगाई गई गेहूं, लूसन, आलू एवं अन्य सब्जी की फसल को नगर निगम के मदाखलत दस्ते की मदद से नष्ट कराया। अतिक्रमण मुक्त कराई गई इस जमीन की बाजारू कीमत लगभग 10 करोड रूपये आंकी गई है। जलालपुर में ही अवैध शराब के व्यवसाय के आरोपियों द्वारा शासकीय जमीन पर बनाये गये मकान को भी इस टीम द्वारा ध्वस्त कराया गया। जिसकी कीमत लगभग 10 लाख रूपये आंकी गई है। अरोपियों के खिलाफ पुरानी छाबनी में संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसी तरह सिमरिया ताल डबरा में जिला प्रशासन के निर्देश पर गई टीम ने लगभग 90 लाख रूपये मूल्य की 3.76 हेक्टेयर शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। डबरा अनुविभाग के अंतर्गत ग्राम करही में भी लगभग 25 लाख रूपये कीमत की 5 बीघा सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से उगाई गई फसलें नष्ट करा कर जमीन को सरकारी कब्जे में लिया। भितरवार में लगभग 0.19 हेक्टेयर एवं इसी क्षेत्र के ग्राम घाटमपुर में लगभग 14 हेक्टेयर भूमि से भी राजस्व विभाग की टीम ने कब्जे हटवाये। ग्राम घाटमपुर की जमीन को श्रीमती अंगूरबाई को पट्टे पर दिया गया था जिस पर कुछ लोगों ने जबरन कब्जा कर रखा था। कब्जें से मुक्त कराई गई इस जमीन की कीमत 20 लाख 52 हजार रूपये आंकी गई है।

स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री श्री कुशवाह आज से ग्वालियर जिले के चार दिवसीय प्रवास पर

ग्वालियर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह 14 जनवरी को ग्वालियर जिले के चार दिवसीय प्रवास पर आयेंगे। श्री कुशवाह इस दिन प्रात: लगभग 6 बजे जबलपुर निजामुद्दीन एक्सप्रेस से ग्वालियर स्टेशन पहुंचेंगे और वहां से वीआईपी सर्किट हाउस मुरार जायेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह 15 जनवरी को प्रात: 10 बजे जी-13 थाटीपुर स्थित अपने स्थानीय कार्यालय में जनसामान्य से भेट कर उनकी समस्याऐं सुनेंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट के सभागार में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर प्रधानमंत्री किसान कल्याण व मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, राजस्व विभाग तथा शहर के वार्ड 61 से 66 तक के विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। श्री कुशवाह अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद दंगीयापुरा जायेंगे और वहीं पर रात्रि विश्राम करेंगे। राज्य मंत्री श्री कुशवाह 16 जनवरी को दोपहर 1 बजे ग्राम आरोरा एवं जिगनीया में नल-जल योजना सहित अन्य विकास कार्यो का भूमि पूजन व लोकार्पण करेंगे। साथ ही यहां आयोजित जन-समस्या निवारण शिविर में भाग लेंगे। श्री कुशवाह इसी कडी में अपरान्ह 3 बजे ग्राम चकगुंधारा में जन-समस्या समाधान शिविर में सामिल होंगें। साथ ही नल-जल योजना एवं अन्य विकास कार्यो का भूमि पूजन व लोकार्पण भी करेंगे। श्री कुशवाह इसके बाद ग्वालियर पहुंच कर रात्रि विश्राम करेंगे। ग्वालियर प्रवास के दौरान राज्य मंत्री श्री कुशवाह 17 जनवरी को प्रात: 11 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक थाटीपुर स्थित अपने स्थानीय कार्यालय पर जन-सामान्य से भेट कर उनकी समस्या व कठिनाईयां सुनेंगे। श्री कुशवाह इसके बाद अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

सर्व स्वसहायता समूह की महिलाओं ने किया निगमायुक्त शिवम वर्मा का सम्मान

ग्वालियर - सर्व स्वसहायता समूह की महिला कार्यकर्ताओं दीदियों द्वारा बुधवार को संभागीय ग्रामीण हाट बाजार फूलबाग में एक कार्यक्रम का आयोजन कर पूर्व जिला पंचायत सीईओ एवं वर्तमान निगमायुक्त शिवम वर्मा का सम्मान कर जिला पंचायत सीईओ ग्वालियर रहते हुए उनके द्वारा स्व सहायता समूहों को स्थापित करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में प्रभारी सीईओ जिला पंचायत आशीष तिवारी आईएएस एवं सहायक सीईओ विजय दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सर्व स्वसहायता समूह की दीदियों द्वारा

बताया गया कि शिवम वर्मा द्वारा जिला पंचायत सीईओ ग्वालियर रहते हुए एनआरएलएम योजना अंतर्गत लगभग 3000 स्व सहायता समूहों का गठन कर लगभग 33 हजार ग्रामीण महिलाओं को बैंक से ऋण दिलवाकर विभिन्न प्रकार के राजगार उपलब्ध कराए गए। लॉकडाउन के दौरान ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को मास्क एवं सैनीटाइजर का निर्माण कराया गया। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के विकास के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र की कामकाजी महिलाओं को रोजगार दिलाने व स्थापित करने के लिए जो प्रयास किए हैं, वह बहुत ही सराहनीय हैं। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सिविल सर्विसेज में आने का उददेश्य पीडितजन की सेवा ही है और में हमेशा नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं एवं रोजगार व विकास के लिए प्रयास करता रहूंगा।

रामवती को अब बढ़ी हुई पेंशन मिलेगी

ग्वालियर। जन सुनवाई दीन-दुखियों की संबल बनती है और लोगों की कठिनाईयों और समस्याओं के समाधान का आसान जरिया भी है। इसका एक सुखद उदाहरण मंगलवार को ग्वालियर कलेक्ट्रेट में हुई जन-सुनवाई में सामने आया। अपनी फरियाद लेकर पहुंची बुजुर्ग महिला श्रीमती रामवती शर्मा की समस्या का समाधान कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कराया। श्रीमती रामवती शर्मा को अब बढ़ी हुई पेंशन मिलने लगेगी। बुजुर्ग महिला रामवती शर्मा अपने बेटे के साथ जन-सुनवाई में पहुंची थी। उनके पति लोकस्वास्थ्य एवं परिवार कल्याणा विभाग में कार्यरत थे । उनके निधन के बाद रामवती को पेंशन मिल रही है। पेंशन के लिए उन्हें अपनी आयु संबंधी प्रमाण पत्र जमा करना था। यह पेंशन प्रमाण पत्र बनने में उन्हें दफ्तरों के चक्कर लगाने पड रहे थे। इसी बीच वे कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में पहुंच गईं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने आत्मीयता के साथ बात कर उनकी समस्या सुनी और सिविल सर्जन को तत्काल आयु प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर की पहल पर उनका आयु प्रमाण पत्र बन गया। साथ ही बरिष्ठ कोषालय अधिकारी द्वारा युनियन बैंक और इंडिया के शाखा प्रबंधक को पत्र लिख कर सूचित भी कर दिया है कि श्रीमती रामवती शर्मा को मूल पेंशन से 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन प्रदान करें। जन-सुनवाई में आयु प्रमाण पत्र बनने और पेंशन बढ़ने की खुश खबरी सुनकर रामवती भावुक हो गईं और कहने लगी की मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने हम जैसे जरूरतमदों को ध्यान में रखकर ही जन-सुनवाई शुरू की है। वे मुख्यमंत्री श्री चौहान एवं कलेक्टर श्री सिंह को दुआएँ देते नहीं थक रही थीं।

वैश्य समाज नगरीय निकाय में अपने प्रत्याशी खड़े करेगा, मोनिका मेयर प्रत्याशी होंगी

ग्वालियर। नगरीय निकायों के चुनाव जैसे-जैसे निकट आते जा रहे हैं वैसे-वैसे ही सभी समाज के लोग सक्रिय होकर अब चुनावों में भाग लेने के लिये तत्पर होने लगे हैं। वहीं वैश्य समाज के लोग भी एकत्र होकर जहां महापौर पद पर महिला सामान्य होने की स्थिति में समाज की महिला से प्रतिनिधित्व के लिये सामने आने लगे हैं। वहीं वैश्य समाज के लोग सभी राजनैतिक दलों से भी आग्रह कर रहे हैं कि वह उनके समाज की महिला को महापौर से लेकर पार्षद पद पर लडायें। इसी कडी में वैश्य समाज का राजनैतिक मंच अग्रसेवा राजनैतिक मंच ने आज एक पत्रकार वार्ता कर अपने प्रत्याशियों को मीडिया के सामने लाये वहीं उन्होंने मीडिया के समक्ष राजनैतिक दलों से महापौर पद सहित कुछ वार्डों में वैश्य समाज के लोगों को प्रतिनिधित्व देने का अनुरोध किया। इतना ही नहीं उन्होने बात नहीं बनने पर अग्रसेवा राजनैतिक मंच के बैनर तले नगरीय निकाय चुनावों में निर्दलीय तक भाग लेकर ताल ठोकने की बात कह डाली। अग्र सेवा राजनैतिक मंच के अध्यक्ष श्रीराम गोयल, सचिव अर्जुन अग्रवाल सहित महापौर पद की समाज की

समाज राजनैतिक रूप से मुख्य धारा से कम ही जुडा हुआ है। उन्होंने बताया कि समय की मांग है कि हर समाज अपने हितों की रक्षा के लिये राजनैतिक रूप से भी जागरूक बने और राजनीति में भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे। उन्होंने बताया कि नगरीय निकायों में भ्रष्टाचार चरम पर है , ऐसे में संपन्न वैश्य समाज के प्रत्याशी इस पर रोक लगाने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि वैश्य समाज के लोग भ्रष्टाचार , अकर्मण्यता और माफिया अफसरों के गठबंधन से मुक्ति दिलाकर आम जनता से जुडे मुददे जैसे सडक , बिजली, पानी साफ सफाई के साथ साथ निगम के कार्य जैसे नामान्तरण, भवन अनुज्ञा, आदि में पारदर्शिता के साथ किये जा सके। समाज के लोगों का कहना है कि वैश्य समाज के लोग प्रत्येक वार्ड में चिकित्सा सुविधा, स्कूल, संपत्ति कर कम कर सरलीकरण करने पर जीत उपरांत कार्य करेंगे। समाज के लोगों ने यह भी कहा कि वर्तमान के दौर में शिक्षित लोगों को भी राजनीति में आगे आना चाहिये तभी राजनीति का सुदृढीकरण होगा। उन्होंने सभी दलों से अनुरोध किया कि वह समाज के लोगों को टिकट दिलायें। यदि राजनैतिक दल ऐसा करेंगे तो समाज उनका पूरा पूरा साथ देगा। इस अवसर पर पत्रकार वार्ता में अशोक गुप्ता, सहित विभिन्न वर्गों के वैश्य प्रत्याशी मौजूद थे जिसमें वार्ड 3 से समाज के प्रत्याशी महेश गोयल, 14 से मोनिका गर्ग, 18 से डॉ. हरिओम सिंघल, 41 से सुमन सिंघल , सहित मंच के महेन्द्र अग्रवाल, विपिन खेतान, डॉ. अरविंद मित्तल, रविशंकर अग्रवाल, दीपक अग्रवाल आदि शामिल थे।

एसडीएम एवं कार्यपालक दण्डाधिकारियों को प्रकरण की सुनवाई के लिए पुलिस थाने आवंटित

ग्वालियर। पुलिस से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई के लिए कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने ग्वालियर शहर में पदस्थ अनुविभागीय दण्डाधिकारियों एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को पुलिस थानों के हिसाब से जबावदेही सौंपी है। साथ ही अवकाश के दिनों के लिए अलग से कार्यपालक दण्डाधिकरियों को जबावदेही दी गई है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम ग्वालियर सिटी श्री प्रदीप सिंह तोमर को पुलिस थाना पुरानी छावनी, बहोडापुर, ग्वालियर, हजीरा, जीआरपी थाना ब्रोडगेज व नेरोगेज तथा तिघरा थाना की जबावदेही सौंपी गई है। एसडीएम श्री तोमर के अधीन पदस्थ अपर तहसीलदार श्री शिवदयाल धाकड, नायब तहसीलदार श्री धीरेन्द्र सिंह गुप्ता व श्रीमती मधुलिका सिंह तोमर अपने अपने क्षेत्र के पुलिस थानों से संबंधित दायित्वों का पालन करेंगे।

इसी तरह एसडीएम लश्कर श्री अनिल बनवारिया को पुलिस थाना कोतवाली, माधोगंज, जनकगंज, गिरवाई, कंपू व क्रांइमब्रांच थाना की जिम्मेदारी दी गई है। इनके साथ कार्यपालक दण्डाधिकारी के दायित्व का निर्वाह तहसीलदार श्रीमती शिवानी पाण्डे व अपर तहसीलदार श्रीमती ममता शाक्य करेंगे। एसडीएम झांडी रोड श्री विनोद भार्गव को पुलिस थाना झांसी रोड, महिला थाना, पडाव, इंदरगंज, विश्वविद्यालय, सिरोल व उटीला पुलिस थाने की जबावदेही दी गई है। नायब तहसीलदार श्री कुलद्वीप दुबे व श्रीमती पूजा मावई को इनके साथ कार्यपालक दण्डाधिकारी की जवाबदेही सौंपी गई है। एसडीएम मुरार श्रीमती पुष्पा पुशाम को पुलिस थाना मुरार, थाटीपुर, महाराजपुरा, गोले का मंदिर व बिजोली पुलिस थाना की जवाबदेही दी गई है। इनके साथ तहसीलदार श्री नरेश चंद गुप्ता, अपर तहसीलदार श्रीमती गुंजा सक्सेना और नायब तहसीलदार श्री महेश कुशवाह को कार्यपालिक दण्डाधिकारी की जवाबदेही दी गई है। एसडीएम ग्वालियर ग्रामीण श्री एसबी शर्मा पुलिस थाना बेहट व हस्तनापुर की जिम्मेदारी निभायेंगे। इनके साथ तहसीलदार श्रीमती मीना सेंगर व नायब तहसीलदार श्रीमती वंदना यादव को बतौर कार्यपालिक दण्डाधिकारी तैनात किया गया है।

अवकाश के दिनों में यह अधिकारी करेंगे सुनवाई-हर महीने एक तारीख से लेकर 8 तारीख के बीच पडने वाले अवकाश के दिनों में तहसीलदार श्रीमती शिवानी पाण्डे पुलिस से संबंधित अनावेदकों की सुनवाई करेंगी। इसी तरह 9 तारीख से 16 तारीख के मध्य अवकाश के दिनों में अपर तहसीलदार श्री शिवदयाल धाकड, 17 से 24 तारीख के बीच पडने वाले अवकाश के दिनों में तहसीलदार श्री नरेशचंद्र गुप्ता एवं 25 तारीख से माह के अंत तक पडने वाले अवकाश के दिनों में नयाब तहसीलदार श्रीमती पूजा मावई प्रकरणों की सुनवाई करेंगी।

जेसीआई ग्वालियर आदर्श द्वारा न्यूज़लेटर एवं सिग्नेचर प्रोजेक्ट का विमोचन

ग्वालियर(अर्पित गुप्ता)। जेसीआई ग्वालियर आदर्श की वर्ष की पहली लोम गवर्निंग बोर्ड की मीटिंग हुई, इस मीटिंग में वर्ष भर होने वाले काम का एनुअल प्लानर एवं बजट सदस्यों के बीच नवनिर्वाचित प्रेसिडेंट जैसी विवेक खण्डेलवाल ने प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि के रूप में मंडल-6 के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष जेसीआई सीनेटर अजीत गुप्ता जी का स्वागत किया गया एवं उन्ही के द्वारा मासिक न्यूज़लेटर एवं सिग्नेचर प्रोजेक्ट का विमोचन हुआ । सिग्नेचर प्रोजेक्ट में जेसीआई आदर्श द्वारा हर माह जोन - 6 के सीनियर्स के साथ एक टॉक शो रखा जाएगा जिसमे उनके जैसी कैरियर के बारे में पूछा जाएगा। मीटिंग में चैप्टर की मेंटोर जैसी अंजलि गुप्ता बत्रा , पास्ट प्रेजिडेंट विजेता सिंह चौहान , सेक्रेटरी कपिल मुदगल , ट्रेजरार आनंद मिश्रा एवं पूरा लोम गवर्निंग बोर्ड उपस्तिथ था। आभार सेक्रेटरी कपिल मुदगल द्वारा किया गया।।

छोटे कोल्ड स्टोरेज लगाने के लिये अब 20 जनवरी तक आवेदन मान्य होंगे

ग्वालियर। किसानों को एक हजार और 500 मीट्रिक टन के छोटे कोल्ड स्टोरेज लगाने की योजना में आवेदन की अंतिम तिथि 10 जनवरी से बढ़ाकर 20 जनवरी कर दी गई है। यह निर्णय आज उद्यानिकी, खाद्य प्र-संस्करण (स्वतंत्र प्रभार) एवं नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय भोपाल में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में लिया गया। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि योजना का लाभ अधिक से अधिक किसान ले सकें, इसे ध्यान में रखते हुए आवेदन करने की अंतिम तिथि को बढ़ाया गया है। बैठक में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत वर्ष 2021-22 में उद्यानिकी विभाग की योजनाओं को शुरू करने के रोडमेप पर चर्चा हुई। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि योजनाओं का अंतिम ड्राफ्ट समय से पहले तैयार किया जाये। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी फसलों के उत्पादन से जुड़े किसानों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाये। उन्होंने विभागीय योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में प्रमुख सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, उद्यानिकी आयुक्त श्री एम.के. अग्रवाल, एम.डी. एम.पी. एग्रो श्री श्रीकांत बनोठ और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगम हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478